PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 291 ● भिलाई, सोमवार 01 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा ऐलान, नीट परीक्षार्थियों के लिए फ्री में डीटीसी बस में सफर

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 21 जून परीक्षा के दिन सभी परीक्षार्थी निशुल्क डीटीसी की बसों में यात्रा कर सकेंगे और अपने-अपने सेंटर पहुंच सकेंगे। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए परीक्षार्थियों को केवल अपना वैध नीट एडमिट कार्ड बस कंडक्टर को दिखाना होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हाल ही में नीट परीक्षा के रद्द होने के कारण अनेक परीक्षार्थियों को दोबारा नीट परीक्षा देनी पड़ रही है। ऐसे में परीक्षार्थियों और उनके परिवारों पर अतिरिक्त मानसिक, समयगत और आर्थिक दबाव पड़ना स्वाभाविक है। दिल्ली सरकार परीक्षार्थियों की इन चुनौतियों को समझते हुए उनके साथ खड़ी है। सरकार का प्रयास है कि परीक्षा के दिन परीक्षार्थियों को परिवहन संबंधी किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

काला चश्मा लगाकर जनता को गुमराह करने वाले, अब जाने वाले-अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोपों की लंबी फेहरिस्त गिनाई। अखिलेश ने कानून-व्यवस्था, बुलडोजर कार्रवाई, आरक्षण, पीडीए वर्ग, पत्रकारों, अधिवक्ताओं, शिक्षामित्रों, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और किसानों के मुद्दों को उठाते हुए सरकार को जनविरोधी बताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, काला चश्मा लगाकर जनता को गुमराह करने वाले अब जाने वाले हैं, लौटकर नहीं आने वाले हैं। सपा प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश की जनता बदलाव का मन बना चुकी है और आने वाले चुनावों में भाजपा को जवाब देगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कविता के माध्यम से लिखा, काला चश्मा लगाकर आने वाले, अपने सच्चे मुकदमे हटवाने वाले। झूठे-फर्ज़ी मुक़दमे लगवाने वाले घमंड में रावण तक को हराने वाले।

महाराष्ट्र के परभणी में बाइक-बस की आमने-सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत

मुंबई । महाराष्ट्र के परभणी जिले में एक मोटरसाइकिल और एक निजी बस के बीच हुई भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना व्यस्त परभणी-पाथरी मार्ग पर राहुल जिनिंग के पास अंधारवाड़ मारुति मंदिर क्षेत्र के नजदीक हुई। अधिकारियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। अधिकारियों के अनुसार, श्रीनिधि ट्रेवल्स की बस परभणी से पुणे जा रही थी। इसी दौरान बस ने राहुल जिनिंग के पास आ रही बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार चारों लोगों की मौत हो गई। मृतकों के नाम शुभम अप्पाराव दाहे (30), विष्णु गोरे (28), प्रहलाद अशोकराव कुटे (29) और नवनाथ शामराव जाधव (38) हैं।

बस्ती में नदी साफ करने वाले आकाश की तारीफ

मोदी ने गिनाईं आमों की खूबियां बोले-आप आम नहीं, खास हैं.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह 11 बजे अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड को संबोधित किया। यह कार्यक्रम पूरे ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) और सरकार के आधिकारिक डिजिटल चैनलों पर प्रसारित किया गया। पीएम मोदी ने 'मन की बात' में देशभर के आम उत्पादक किसानों की सराहना की है। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि किसानों के अथक परिश्रम और समर्पण की बदौलत 'फलों का राजा' आम हर साल लाखों परिवारों तक पहुंचता है। पीएम मोदी ने बताया कि गर्मियों का मौसम आते ही देश में आम की चर्चा हर घर में शुरू हो जाती है और शायद ही कोई ऐसा घर होगा, जहां आम को लेकर उत्साह न हो। उन्होंने कहा, हर इलाके का अपना आम, अपना स्वाद और अपनी खुशबू होती है। महाराष्ट्र और कोंकण का हापुस (अल्फांसो), गुजरात का केसर, उत्तर प्रदेश का दशहरी और मेरी काशी का लंगड़ा आम लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। पीएम मोदी ने लंगड़ा आम की खासियत का भी जिक्र करते हुए कहा कि पकने के बाद भी इसका रंग कई बार हरा ही रहता है। उन्होंने बिहार के जर्दालू आम की सुगंध की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसकी खुशबू दूर से ही पहचान में आ जाती है। इसके अलावा उन्होंने चौसा और मालदा जैसी प्रसिद्ध किस्मों का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि दक्षिण भारत में बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम और मलगोवा आम की अपनी अलग पहचान है। वहीं, पश्चिम बंगाल का हिमसागर तथा ओडिशा और आंध्र प्रदेश का सुवर्णरेखा आम भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा, जगह बदलती है तो आम का रूप, रंग और स्वाद भी बदल जाता है। यही भारत की विविधता की खूबसूरती है। पीएम मोदी ने कहा कि अब भारतीय आमों की पहचान केवल गांवों और स्थानीय बाजारों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे वैश्विक बाजारों तक भी पहुंच रहे हैं। उन्होंने आम की खेती से जुड़े किसानों को संबोधित करते हुए कहा, मैं 'मन की बात' के माध्यम से आम की पैदावार से जुड़े अपने किसान भाई-बहनों की प्रशंसा करता हूं। पीएम ने कहा कि आप देश की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए आम किसान नहीं, बल्कि बहुत विशेष हैं। ऐसे ही छाए रहिए। प्रधानमंत्री के इस संदेश को आम उत्पादक किसानों के उत्साहवर्धन और भारतीय कृषि की विविधता को सम्मान देने के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस पूरे अभियान में लगभग 13 घंटे का समय लगा और डॉल्फिन को सुरक्षित बचा लिया गया। उन्होंने कहा कि यह घटना केवल एक जीव को बचाने की कहानी नहीं बल्कि प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि इस सफल अभियान में भारत की पहली गंगा डॉल्फिन रेस्क्यू एम्बुलेंस ने बड़ी भूमिका निभाई। दरअसल, उत्तर प्रदेश में एक गंगा डॉल्फिन नहर में फंस गई थी, जिसके बाद 'नमामि गंगे' अभियान के तहत विकसित इस विशेष एम्बुलेंस को मौके पर भेजा गया। बचाव दल ने डॉल्फिन को सावधानीपूर्वक बाहर निकाला, उसकी जांच की। साथ ही उपचार के बाद उसे सुरक्षित रूप से रात्री नदी में छोड़ दिया।

अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति युवाओं का बढ़ता क्रेज

देश में विज्ञान के प्रति बढ़ती रुचि की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने भारत की प्राचीन खगोल विज्ञान परंपरा का जिक्र किया। उन्होंने बेंगलुरु एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, खगोल मंडल, एस्ट्रो-केरलम और इसाक जैसी संस्थाओं की तारीफकी, जो वर्कशॉप और नाइट कैप्स के जरिए युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान से जोड़ रही हैं। उन्होंने युवाओं से छुट्टियों के दौरान तारामंडल जाने और एस्ट्रोनॉमी क्लब्स से जुड़ने का आग्रह किया।

भीषण गर्मी से बचाव और भारत के 'देसी ड्रिंक्स'

देशभर में बढ़ते तापमान को देखते हुए पीएम मोदी ने नागरिकों से हीटवेव के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने लोगों को हाइड्रेटेड रहने, धूप में अनावश्यक बाहर न निकलने और सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी। इसके साथ ही उन्होंने भारत के पारंपरिक कूलिंग पेयों को प्राकृतिक औषधि बताते हुए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना के तहत कई देसी ड्रिंक्स का जिक्र किया: आम पन्ना, लस्सी, छाछ, सत्तू का शरबत, कोकम शरबत, सोल कढ़ी, पनाकम, नीर मोर, संभाराम और बेला पन्ना।

अंतरिक्ष मिशनों के लिए यह एक अहम मोड़

गगनयान मिशन की तैयारी में जुटे कैप्टन शुभांशु शुक्ला....

नई दिल्ली/ एजेंसी

कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक बार फिर अंतरिक्ष की यात्रा पर जाने के लिए तैयार हैं। वे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय हैं। अब वे भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के लिए कड़ी ट्रेनिंग ले रहे हैं। शुभांशु का कहना है कि वे अपनी इस ट्रेनिंग में भारतीय वायुसेना के टेस्ट पायलट के रूप में मिले अनुभव का पूरा इस्तेमाल कर रहे हैं। शुभांशु शुक्ला जिन्हे उनके दोस्त 'शुक्स' के नाम से बुलाते हैं। उन्होंने इसरो के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन को एक प्रोटोटाइप या शुरुआती मिशन बताया है। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया में भारतीय अंतरिक्ष समुदाय और खासकर इसरो का बहुत सम्मान है। मानव मिशन की ओर कदम बढ़ाना एक बहुत बड़ा बदलाव है। गगनयान मिशन भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण की वैश्विक दौड़ में एक खास स्थान दिलाएगा। यह अंतरिक्ष मिशनों के लिए यह एक अहम मोड़ है। पिछले साल जून में शुभांशु उन चार अंतरिक्ष यात्रियों में शामिल थे, जिन्होंने नासा के एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष की यात्रा की थी। उन्होंने अंतरिक्ष स्टेशन पर 18 दिन बिताए थे। यह 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद किसी भारतीय की 41 साल बाद अंतरिक्ष में वापसी थी। अब एक साल बाद शुभांशु बेंगलुरु में हैं। वे गगनयान मिशन के लिए चुने गए चार अंतरिक्ष यात्रियों में से एक हैं। वे अपने परिवार के साथ बेंगलुरु के 'ह्यूमन स्पेस फ्लाइट सेंटर' में रह रहे हैं और अपनी दूसरी अंतरिक्ष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं।

जमीन विवाद ने लिया खूनी रूप, एक ही परिवार के 5 सदस्यों समेत 6 की हत्या

बेंगलुरु। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में जमीन विवाद को लेकर हुई हिंसक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। जिले के चडाचन पुलिस थाना क्षेत्र के गोविंदपुरा गांव में शुक्रवार दोपहर एक ही परिवार के 5 सदस्यों समेत 6 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह वारदात शुक्रवार दोपहर करीब 2 से 2:30 बजे के बीच हुई।

दिखाए काले झंडे, चले लात-घूसे

अभिषेक के बाद कल्याण बनर्जी पर जानलेवा हमला

नई दिल्ली। एक तरफ जहां पश्चिम बंगाल में अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले से जुड़ी खबरें लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं, वहीं अब टीएमसी के एक और सांसद पर हमले की खबर सामने आई है। हुगली में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हमले की खबरें सामने आ रही हैं। खबरों के मुताबिक, टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हुगली में उस समय हमला किया गया, जब वे चंडीतला पुलिस स्टेशन में एक ज्ञापन सौंपने जा रहे थे। उन्हें प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया, जिन्होंने काले झंडे दिखाए, नारे लगाए और कथित तौर पर इस घटना के दौरान उनके साथ मारपीट भी की। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी को लोगों ने काले झंडे दिखाए और मारपीट की। इस हमले में टीएमसी सांसद लहूलुहान हो गए।

अब दुश्मनों की खैर नहीं

चीन और पाक मामलों के महारथी राजा सुब्रमणि बने नए सीडीएस....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए 31 मई 2026 खास रहा। जनरल अनिल चौहान के रिटायर होने के बाद, जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि ने देश के तीसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के रूप में कमान संभाल ली है। जब दुनिया भर में युद्ध के बादल मंडरा रहे हों, तब भारत जैसे विशाल देश की तीनों सेनाओं- थल सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच एक मजबूत कड़ी का होना राष्ट्रीय सुरक्षा की पहली शर्त है। जनरल सुब्रमणि का यह पदभार संभालना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे एक ऐसे समय में आए हैं जब भारतीय सेनाएं अपने इतिहास के सबसे बड़े संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रही हैं। जनरल राजा सुब्रमणि को भारतीय सेना का एक अत्यंत रणनीतिक और अनुभवी योद्धा माना जाता है। उन्हें पाकिस्तान और चीन से जुड़े पेचीदा और संवेदनशील मामलों का गहरा जानकार माना जाता है। उनके करियर ग्राफ पर नजर डालें तो उन्होंने भारतीय सेना के सबसे महत्वपूर्ण 'नॉर्दन कमांड' के साथ-साथ 'सेंट्रल कमांड' में भी बड़ी जिम्मेदारियां निभाई हैं।सीडीएस बनने से पहले वे वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पद पर रह चुके थे और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल सेक्रेटेरिएट में सैन्य सलाहकार के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। यह अनुभव उन्हें न केवल सीमाओं की भौगोलिक चुनौतियों को समझने में मदद करता है।

3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं डीके शिवकुमार, मंत्रिमंडल में भी बड़ा फेरबदल

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजनीति में जारी हलचल के बीच नेतृत्व परिवर्तन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार 3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। उनके साथ 10 अन्य मंत्रियों के भी शपथ लेने की संभावना जताई जा रही है। इसके बाद 18 जून के बाद मंत्रिमंडल विस्तार किया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि राज्यसभा चुनाव के बाद कर्नाटक सरकार के मंत्रिमंडल के विस्तार की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। इस बीच राज्य सरकार में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाएं तेज हैं।

वन नेशन, वन इलेक्शन' पर सरकार का रोडमैप तैयार

पहले 20 राज्यों में एक साथ चुनाव कराने की तैयारी-रामनाथ कोविंद..

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्र सरकार देश में एक साथ चुनाव कराने की तैयारी में है। इसके लिए बनी जेपीसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक समिति 'टू-फेज ट्रांजिशन मॉडल' पर विचार कर रही है। इससे राज्यों में बार-बार चुनाव कराने या विधानसभाओं के कार्यकाल में बहुत बड़ी कटौती करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पूरे देश को एक साथ चुनावी चक्र में लाने के बजाय दो चरणों- 2029 और 2034 में बढ़ने के विकल्प पर विचार किया जा रहा है। पहले चरण में 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ करीब 20 राज्यों के विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं। संयुक्त संसदीय समिति की अवधि 2026 के मानसून सत्र तक बढ़ाई जा चुकी है। ऐसे में 2029 से चुनावी चक्र एक करने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। वहीं, 2034 तक पूरे देश को साझा चुनावी चक्र में लाने का लक्ष्य है। बता दें कि, 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' पर विचार करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितंबर 2023 को एक पैनल का गठन किया गया था। इस पैनल ने हितधारकों-विशेषज्ञों के साथ चर्चा और 191 दिनों के शोध के बाद 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। 1952 से 1967 तक यानी चार बार लोकसभा व अधिकांश विधानसभा चुनाव साथ हुए। 1967 के बाद कई राज्यों में सरकारें गिरने लगीं। 1968-69 में कई विधानसभाएं भंग हुईं और 1970 में लोकसभा भी कार्यकाल पूरा होने से पहले भंग हो गई।

युवाओं को तकनीकी विकास की सौगात

मुख्यमंत्री विष्णु देव सायं ने किया आईटी पार्क का उद्घाटन

दुर्ग/ संवाददाता

/मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिले को तकनीकी विकास और रोजगार के क्षेत्र में बड़ी सौगात देते हुए सिविल लाईन्स स्थित आईटी पार्क का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल होने से पूर्व आईटी पार्क का उद्घाटन किया। सिविल लाईन्स स्थित यह आईटी पार्क लगभग 3,900 वर्ग मीटर भूमि पर निर्मित किया गया है, जिसका कुल निर्मित क्षेत्रफल 2,907.26 वर्ग मीटर है। जिसमें यहां कंपनियों के संचालन के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया गया है। देश के विभिन्न 40 आई कम्पनियों ने यहां एमओयू के मुताबिक कार्य आरंभ कर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि आईआईटी भिलाई और प्रदेश शासन के सहयोग से इस आईटी पार्क निर्माण किया गया है। वर्तमान में 40 आई कम्पनियां कार्यरत् है तथा भविष्य में 100 कम्पनियों के साथ कार्य करने हेतु अपनी सहमति जताई है। विगत वर्ष की गई घोषणा आज आईटी के शुभारंभ के साथ पूरी हुई है। इससे युवाओं के लिए तकनीकी ज्ञान एवं विकास की राह आसान होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि पर सभी को बधाई दी।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि आईटी पार्क के शुरू होने से दुर्ग-भिलाई क्षेत्र तकनीकी नवाचार और डिजिटल प्रगति के नए केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इससे स्थानीय युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण, रोजगार और नवाचार के अवसर मिलेंगे। आईटी पार्क में शुरुआती चरण में 40 कंपनियों ने आने की सहमति दी है। इसके लिए आईआईटी भिलाई और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच एमओयू भी किया जा चुका है। भविष्य में परिसर का विस्तार कर यहां 100 से अधिक कंपनियों और स्टार्टअप को स्थान देने की योजना है। आईटी पार्क की स्थापना को जिले में रोजगार, कौशल विकास और तकनीकी निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, साजा विधायक ईश्वर साहू, छत्तीसगढ़ खादी बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, महापौर अलका बाघमार, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव आयुक्त जनसंपर्क रजत बंसल, छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसाइटी (चिप्स) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभात मलिक, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल, आईआईटी भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

रहस्यमयी ढंग से मर रहे चमगादड़ वार्ड-2 में तीन भालुओं की दस्तक से दहशत

वन विभाग और प्रशासन हाई अलर्ट पर, भोपाल भेजे गए सैंपल; लोगों से सतर्क रहने की अपील

बालोद। जिले के दल्लीराजहरा क्षेत्र में इन दिनों दो अलग-अलग घटनाओं ने प्रशासन और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। एक तरफ बड़ी संख्या में चमगादड़ों की लगातार हो रही मौत ने स्वास्थ्य और संक्रमण को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं दूसरी ओर नगर के वार्ड क्रमांक-2 में एक साथ तीन भालुओं की मौजूदगी से लोगों में दहशत का माहौल है। दोनों मामलों को लेकर वन विभाग, नगरपालिका और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आ रहे हैं। डीएफओ अभिषेक अग्रवाल ने मौके का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। उन्होंने लगातार हो रही चमगादड़ों की मौत और भालुओं की मौजूदगी पर वन विभाग की टीम के साथ अवलोकन कर दिशा निर्देशित किया। दरअसल दल्लीराजहरा क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से बड़ी संख्या में चमगादड़ों के मृत मिलने की घटनाएं सामने आ रही हैं। वन विभाग के अनुसार प्रतिदिन लगभग 50 से 70 चमगादड़ों की मौत हो रही है, जो सामान्य स्थिति नहीं मानी जा रही। मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग के अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों के मुताबिक जांच दो प्रमुख बिंदुओं पर केंद्रित है। पहला, प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और हीट वेव, क्योंकि इससे पहले कांकेर और कोरबा जिलों में भी तेज गर्मी के दौरान इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। दूसरा, किसी संक्रमण या वायरस के फैलने की संभावना, क्योंकि चमगादड़ों की मौत एक ही क्लस्टर और सीमित इलाके में अधिक हो रही है।

भोपाल भेजे गए सैंपल, एवियन इन्फ्लूएंजा की जांच

डीएफओ अभिषेक अग्रवाल ने बताया की संक्रमण की आशंका को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग ने पशु चिकित्सा विभाग के साथ मिलकर मृत चमगादड़ों के सैंपल कलेक्ट किए हैं। जांच के लिए इन्हें भोपाल स्थित राष्ट्रीय संस्थान भेजा गया है। विशेषज्ञ यह पता लगाएंगे कि कहीं मामला एवियन इन्फ्लूएंजा या किसी अन्य घातक वायरस से जुड़ा तो नहीं है। वन विभाग ने नगरपालिका के साथ मिलकर मृत चमगादड़ों के सुरक्षित निपटान की व्यवस्था भी शुरू कर दी है। उनका कहना है कि कई संक्रमण पशुओं से इंसानों तक फैल सकते हैं, इसलिए सभी सावधानियां बरती जा रही हैं।

अपील: मृत चमगादड़ों को हाथ न लगाएं

डीएफओ ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं मृत या बीमार चमगादड़ दिखाई दे तो उसे सीधे हाथों से न छुएं। तुरंत वन विभाग या नगरपालिका को सूचना दें ताकि प्रशिक्षित टीम पीपीई किट और सुरक्षा उपकरणों के साथ उसका सुरक्षित निपटान कर सके।

भोपाल भेजे गए सैंपल, एवियन इन्फ्लूएंजा की जांच

डीएफओ अभिषेक अग्रवाल ने बताया की संक्रमण की आशंका को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग ने पशु चिकित्सा विभाग के साथ मिलकर मृत चमगादड़ों के सैंपल कलेक्ट किए हैं। जांच के लिए इन्हें भोपाल स्थित राष्ट्रीय संस्थान भेजा गया है। विशेषज्ञ यह पता लगाएंगे कि कहीं मामला एवियन इन्फ्लूएंजा या किसी अन्य घातक वायरस से जुड़ा तो नहीं है। वन विभाग ने नगरपालिका के साथ मिलकर मृत चमगादड़ों के सुरक्षित निपटान की व्यवस्था भी शुरू कर दी है। उनका कहना है कि कई संक्रमण पशुओं से इंसानों तक फैल सकते हैं, इसलिए सभी सावधानियां बरती जा रही हैं।

अपील: मृत चमगादड़ों को हाथ न लगाएं

डीएफओ ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं मृत या बीमार चमगादड़ दिखाई दे तो उसे सीधे हाथों से न छुएं। तुरंत वन विभाग या नगरपालिका को सूचना दें ताकि प्रशिक्षित टीम पीपीई किट और सुरक्षा उपकरणों के साथ उसका सुरक्षित निपटान कर सके।

लोगों के लिए जरूरी सावधानी

उन्होंने लोगों से शाम और रात के समय अकेले बाहर न निकलने, अंधेरे रास्तों से बचने और भालू दिखने पर उसके करीब न जाने की अपील की है। साथ ही किसी भी आपात स्थिति में तुरंत वन विभाग या स्थानीय प्रशासन को सूचना देने को कहा गया है। बता दे कि दल्लीराजहरा में एक साथ सामने आए इन दोनों मामलों ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल सभी विभाग हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और लोगों से सतर्क रहने की अपील की जा रही है।

वार्ड-2 में भालुओं की दस्तक, लोगों में डर का माहौल

इसी बीच दल्लीराजहरा के वार्ड क्रमांक-2 में एक साथ तीन भालुओं के दिखाई देने से स्थानीय लोग भयभीत हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने भी क्षेत्र में भालुओं की मौजूदगी की पुष्टि की है। स्थानीय लोगों के अनुसार इलाके में और भी भालू घूम रहे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भालुओं की गतिविधियां मुख्य रूप से रेलवे लाइन, माइंस साइडिंग और माइंस डंप क्षेत्र के आसपास देखी जा रही हैं। माना जा रहा है कि पानी और भोजन की तलाश में भालू आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुंच रहे हैं।

वन विभाग ने शुरू की बैरिकेडिंग और निगरानी

डीएफओ अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने तत्काल सुरक्षा उपाय शुरू कर दिए हैं। वार्ड के बॉर्डर एरिया में बांस और गार्डन नेट की मदद से बैरिकेडिंग की जा रही है ताकि भालू रिहायशी इलाकों में प्रवेश न कर सकें। इसके अलावा अंधेरे वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त रोशनी की व्यवस्था की जा रही है। रेलवे लाइन के आसपास भालुओं की गतिविधि को देखते हुए बीएसपी प्रबंधन और रेलवे विभाग को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। वन विभाग स्थानीय लोगों और अपने कर्मचारियों को मिलाकर एक लोकल वॉच टीम भी बना रहा है, जो लगातार निगरानी रखेगी और किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल विभाग तक पहुंचाएगी।

पर्याप्त मात्रा में बीज एवं खाद उपलब्ध अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील

गरियाबंद। खरीफवर्ष 2026 की तैयारियों के तहत जिले के किसानों द्वारा खेतों की जुताई एवं अन्य कृषि कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। इसके साथ ही किसान सहकारी समितियों से बीज एवं उर्वरकों का उठाव भी उत्साहपूर्वक कर रहे हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले की सभी सहकारी समितियों में खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में बीज एवं खाद का भंडारण उपलब्ध है तथा किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। उर्वरकों का वितरण शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार किया जा रहा है। इसके अंतर्गत किसानों को गत वर्ष वितरित यूरिया की मात्रा का 80 प्रतिशत तथा डीएपी की 60 प्रतिशत मात्रा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा किसानों की आवश्यकतानुसार सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी), एनपीके, पोटाश, नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी सहित अन्य उर्वरकों का भी वितरण किया जा रहा है। वर्तमान में जिले के सहकारी क्षेत्रों में यूरिया 10 हजार 259 मीट्रिक टन, डीएपी 2 हजार 083 मीट्रिक टन, एसएसपी 2 हजार 308 मीट्रिक टन, एमओपी 1 हजार 115 मीट्रिक टन तथा एनपीके 2 हजार 441 मीट्रिक टन सहित कुल 18 हजार 206 मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरकों का भंडारण उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त 10 हजार 511 नैनो यूरिया एवं 8 हजार 323 नैनो डीएपी की बोतलें भी समितियों में उपलब्ध हैं। सभी समितियों को आवश्यकतानुसार उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बीज उपलब्धता के संबंध में विभाग ने बताया कि जिले की सभी सहकारी समितियों में लगभग 10 हजार 200 क्विंटल प्रमाणित धान बीज का भंडारण किया जा चुका है। इनमें एमटीयू-1156, एमटीयू-1153, एमटीयू-1001, एमटीयू-1010, महामाया तथा स्वर्णा सब-1 जैसी उन्नत एवं लोकप्रिय किस्में शामिल हैं। किसान इन बीजों का लगातार उठाव कर रहे हैं। उर्वरक वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिले में निगरानी दलों का गठन किया गया है।

सुशासन तिहार 2026 का अंतिम दौर के शिविर में सरला कोसरिया ने सुनी जनता की समस्या, दिया समाधान पर जोर

सरायपाली। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत सरायपाली विधानसभा के ग्राम पंचायत पुजारीपाली में सरायपाली विकासखंड का छठवां और अंतिम जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों से कुल 554 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त शिकायतों और मांगों पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की सदस्य सरला कोसरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष मोंगरा पटेल, जिला पंचायत सदस्य कुमारी भास्कर, जनपद अध्यक्ष लक्ष्मी पटेल, उपाध्यक्ष मुकेश पटेल जनपद सदस्य दीनता कुम्हार, उद्धव नंद, राजेश मेहर, रेशम पटेल, उषा पटेल व भाजपा के पदाधिकारी, सरपंच सहित प्रमुख रूप से एसडीएम व जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरला कोसरिया ने भीषण गर्मी को देखते हुए बिजली और पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने बिजली विभाग को 24 घंटे के भीतर खराब ट्रांसफार्मरों को सुधारने तथा अतिरिक्त ट्रांसफार्मर रिजर्व में रखने और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त बिजली देने के निर्देश

दिए। केंदुवाँ भाजपा मंडल अध्यक्ष दण्डधर साव से प्राप्त शिकायत पर बाराडोली के डिपापारा में अत्यधिक लोड होने के कारण 25 केवी ट्रान्सफार्मर को 63 केवी ट्रान्सफार्मर अतिशीघ्र लगाने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है, साथ ही एसडीएम को इसकी सतत निगरानी करने के लिए कहा गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देशित किया गया कि खराब हैंडपंपों की मरम्मत और आवश्यकता पड़ने पर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक मांग के अनुरूप नए बोर खनन कर जल आपूर्ति के लिए कहा गया है ताकि ग्रामीण भाई बहनों को पेयजल के लिए भटकना और परेशानियों का सामना न करना पड़े। नल-जल योजना के तहत निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने और ठेकेदार द्वारा घटिया निर्माण करने और शासन से निर्धारित समय सीमा पर नल जल योजना चालू नही होने ठेकेदार के अनुबंध निरस्त और कानूनी कार्यवाही करने का निर्देश दिया। वन विभाग को बारिश से पहले पौधा तैयार कर व्यापक वृक्षारोपण एवं संरक्षण सुनिश्चित करने, साथ ही क्षेत्र में स्थित पहाड़ी इलाकों को चिन्हित कर अतिक्रमण मुक्त कर वृहद वृक्षारोपण करने और उसे सुरक्षित रखने की जिम्मेवारी तय कर आवश्यक निर्देश दिए गए। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सभी 107 पंचायत भवन में सभी विभागों की योजनाओं के पाम्पलेट व बोशर पंचायत भवनों में चस्पा कराने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग को विद्यालयों में शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था एवं शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने, वहीं आदिम जाति कल्याण विभाग को आश्रम-छात्रावासों में सीट के अनुरूप प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। राजस्व विभाग को निर्देशित किया गया कि स्कूल खुलते ही विद्यार्थियों को आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए सरल और सुव्यवस्थित व्यवस्था बनाई जाए। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गर्भ संस्कार, अन्नप्राशन संस्कार सहित विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को किट वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी विभागों की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार एवं जनहित में दिशा-निर्देश दिए गए। सुशासन तिहार के इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। प्रदेश के मुखिया स्वयं इस भरी दुपहरी में सुशासन तिहार के माध्यम से क्षेत्र का जायजा लेकर समस्याओं के निराकरण के लिए जमीनी स्तर पर जा रहे है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की स्पष्ट मंशा है कि प्रदेश में सभी खुशहाली से अपना जीवन यापन करें, अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति के विकास को ध्यान में रखकर काम करने के लिए सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। सभी विभाग के अधिकारी गांव में जाकर ग्रामीण जनों के समस्याओं का निदान समय पर करने के लिए निर्देशित किया है। इस शिविर में मल्दामाल से एक संवेदनशील मामला आया था जिसके पति का निधन तीन वर्ष पूर्व हो चुका था उसके तीन बच्चे है जिसमे से एक बच्चा न देख सकता है न सुन सकता है और आर्थिक रूप से अत्यंत गरीब है व वह पीड़िता पति-पत्नी दोनों तेंदूपत्ता कार्डधारी है परंतु पंचायत सचिव, स्थानीय वन प्रबंधन समिति की लापरवाही और वन विभाग की उदासीनता की वजह से उसे मिलनी वाली सहायता राशि तीन वर्ष बाद भी आज पर्यंत तक नही मिली थी जिसे छत्तीसगढ़ शासन में महिला आयोग की सदस्य सरला कोसरिया ने विशेष प्रकरण मानते हुए तत्काल अनुविभागीय अधिकारी हरिशंकर पैकरा को इस प्रकरण के निराकरण करने और पीड़ित परिवार को अतिशीघ्र सहायता राशि दिलाने के लिए प्रकरण को सौपा है।

कचना क्लस्टर शिविर में 819 आवेदन प्राप्त, हितग्राहियों को बांटे प्रमाण पत्र

धमतरी। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जन शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु विशेष अभियान एवं जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड कुरूद के ग्राम पंचायत कचना में 17 ग्राम पंचायतों को शामिल करते हुए बीते गुरुवार को क्लस्टर स्तरीय समाधान शिविर आयोजित किया गया।

इस शिविर में ग्राम पंचायत कचना सहित 16 ग्राम पंचायतों सिलीडीह, सिलतरा, नवागांव-क, जी जामगांव, अंवरी, गणेशपुर, मडेली, भैंसबोड़, जरवायडीह, कोलियारी, जोरातराई-अ, थूहा, नवागांव-थू, सिर्वे, कुम्हारी एवं भेण्डसर

पंचायतों के ग्रामीण शामिल हुए। शिविर में कुल 819 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 812 मांग एवं 7 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल थे। प्राप्त आवेदनों में से 161 मांग एवं 4 शिकायतों का मौके पर निराकरण किया गया। शिविर में जिला पंचायत उपाध्यक्ष गौकरण साहू, जिला पंचायत सभापति कुलेश्वरी सुनील गायकवाड़, पूजा राजू सिन्हा, जनपद पंचायत कुरूद अध्यक्ष गीतेश्वरी हेमंत साहू, सदस्य ललीता रमेश भतपहरी, गंगा टकेश साहू, ठाकुर राम साहू, पूर्व उपाध्यक्ष रामस्वरूप साहू, वरिष्ठ नागरिक नारायण गिरी गोस्वामी सहित विभिन्न पंचायतों के सरपंच, सचिव, उपसरपंच एवं पंचगण उपस्थित रहे। शिविर में जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा एवं शिविर नोडल अधिकारी अनुराग त्रिवेदी तथा जनपद पंचायत कुरूद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी अमित सेन ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा पात्र हितग्राहियों को प्रमाण पत्र, कार्ड, किट, सामग्री एवं उपकरण वितरित किए गए। विभागवार वितरण इस प्रकार रहा- राजस्व विभाग द्वारा भू स्वामित्व योजना अंतर्गत आबादी पट्टा वितरित किया गया। श्रम विभाग द्वारा संगठित श्रमिक कार्ड प्रदान किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क चश्मा एवं आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण आहार सामग्री एवं नोनी सुरक्षा योजना के प्रमाण पत्र दिए गए। समाज कल्याण विभाग द्वारा पोषण किट एवं बैशाखी वितरित की गई। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाया।

जिले की प्रभारी सचिव आर. संगीता ने किया बिहान रसोई एवं बिहान चौपाटी का किया औचक निरीक्षण

गरियाबंद। जिले की प्रभारी सचिव आर. संगीता ने जिले के विभिन्न विकास कार्यों एवं जनहितकारी गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बिहान रसोई एवं बिहान चौपाटी का औचक निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया। उनके साथ

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने बिहान रसोई के संचालन, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, खाद्य सामग्री के रख-रखाव तथा स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने भोजन तैयार करने की प्रक्रिया, रसोई परिसर की साफ-सफाई तथा हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रभारी सचिव संगीता ने बिहान रसोई के सफल संचालन के लिए स्व-सहायता समूह की दीदियों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं आज विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं और समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने समूह की महिलाओं को अपने कार्यों का और अधिक विस्तार करने, गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने तथा स्वरोजगार आधारित गतिविधियों को मजबूत बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बिहान रसोई केवल भोजन उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सामुदायिक विकास का एक प्रभावी मॉडल है। इससे समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि हो रही है।

आदिवासियों के समस्या निराकरण हेतु केंद्रीय राज्य मंत्री को संघ ने सौंपा ज्ञापन

धमतरी। अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ छत्तीसगढ़ द्वारा आदिवासी समाज के विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री अनुसूचित जनजाति मामले दुर्गा दास उइके से न्यू सर्किट हाउस रायपुर में भेंटकर उनका ध्यान आकृष्ट कराते हुए निराकरण की मांग की गई है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अनुसूचित जनजाति आयोग के सचिव पवन नेताम, अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष आर एन ध्रुव, राष्ट्रीय सचिव गोंडवाना गोंड महासभा, कमलेश मंडावी, प्रदेश संयुक्त सचिव एस पी ध्रुव, आदिवासी समन्वय मंच भारत डमरूधर मांझी के साथ अन्य सामाजिक प्रमुख गण उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ में एसएलपी नं 19668/2022 आदेश 01/05/2023 एवं डायरी नं सी 5555/2025 आदेश 24/02/2025 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी आदेश और संवैधानिक प्रावधान के तहत संविधान के अनुच्छेद 16.4.ए, 16.4.बी, 335 आरक्षण अधिनियम, नियम के अनुसार पदोन्नति में आरक्षण नहीं दिया जा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के उक्त आदेश एवं प्रावधानों के पालन के बिना कोई

भी पदोन्नति आदेश जारी नहीं किया जाए। नियम विरुद्ध पदोन्नति की कार्यवाही तत्काल निरस्त किया जाए और सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार पुराने नियम 2012 के अनुसार पदोन्नति में आरक्षण तत्काल प्रारंभ किया जाए। अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के छात्रवृति हेतु 2.50 लाख की आय.सीमा निर्धारित की गई है, जो संविधान के प्रावधानो के विपरीत है जिसके कारण इस वर्ग के कई विद्यार्थी धन के अभाव में छात्रवृत्ति के बिना आगे की पढ़ाई से वंचित हो जाते हैं। आदिवासी, अनुसूचित जनजाति वर्ग का निर्धारण संविधान के अनुच्छेद 342 के अनुसार जन्म से ही हो जाता है इसलिये इस वर्ग के लिये आय-सीमा की बाध्यता को समाप्त किया जावे। उच्च स्तरीय छानबीन समिति में फर्जी जाति प्रमाण पत्र धारियों का प्रमाण पत्र फर्जी पाये जाने के बाद भी जाँच मे कमजोरी और विलम्ब होने के कारण नियम, कानुन की आड़ में न्यायालय से स्टे लेकर फर्जी लोग शासकीय सेवा में नौकरी, पदोन्नति, पेंशन का लाभ ले रहे आदिवासियों के हितों को छीन रहे है जिसके परिणाम स्वरूप वास्तविक आदिवासी आरक्षण के लाभ से वंचित हो रहे हैं। इन फर्जी लोगों के खिलाफ तत्काल पुलिस में एफआईआर कराने, बर्खास्त करने, निलंबित करने, पद से हटाने, लिए गए लाभ की वसूली, न्यायालय के स्थगन हटवाने की कार्यवाही किया जावे और न्यायालय के आदेशों की विधि विशेषज्ञ से जाँच करवाकर अपील, एसएलपी समय पर कराया जाये। लापरवाही बरतने, अनुचित लाभ दिलाने वाले अधिकारियो के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाये और जाति प्रमाण पत्रों की लंबित जाँच के प्रकरणों, जाँच मे आरोप प्रमाणित, अप्रमाणित सभी प्रकरण की जानकारी विभागीय वेबसाइड और आरटीआई के तहत जानकारी पोर्टल मे अपलोड किया जाय और जिनका प्रकरण जांच में या न्यायालय मे लंबित है उसका स्थाईकरण, पदोन्नति, पेंशन ग्रेज्यूटी रोका जाय। छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य जिले के सभी विभागों में तृतिय एवं चतुर्थ वर्ग के पदों पर शत-प्रतिशत भर्ती स्थानीय वर्ग के योग्य बेरोजगारों से आवेदन मंगाकर भर्ती की कार्यवाही नियम सविधान के अनुच्छेद 16-3 के अनुसार दिया जावे। छग के अधिकांश शासकीय विभागों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के कई पद बेकलॉग के पद रिक्त हैं जिसमें भर्ती पदोन्नति नही हो पाया है और छग शासन सॉविदा एवं आउटसोर्सिंग के माध्यम से काम चला रही है। ज्ञात हो संविदा एवं आउटसोर्सिंग पर कार्य करने के लिये कोई आरक्षण नियमों का पालन नही होता है। इसलिए निवेदन है कि विशेष भर्ती अभियान चलाकर इन रिक्त पदों को भरा जावे। छग स्कूल शिक्षा विभाग के मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर आदेश नवा रायपुर 08/10/2025 क्रमांक ईएसटीबी 102-3/449/2025, 20 तीन द्वारा कबीरधाम जिले के केवल आदिवासी गोंड समाज के 10 शिक्षकों का जिले एवं जिले के बाहर शिक्षण सत्र के मध्य, नियम के विपरीत दुर्भावनावश स्थानांतरण किया गया है। उक्त स्थानांतरण आदेश को निरस्त किया जावे। मंत्री द्वारा उक्त बिन्दुओं पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुये उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिए।

नवविवाहिता ने की आत्महत्या, पति गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

धमतरी। धमतरी से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है जहां एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पति सदमे में आ गया और उसने भी आत्महत्या करने का प्रयास किया। हालांकि आसपास के लोगों की सतर्कता से उसकी जान बच गई। फिलहाल उसका जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बांसपारा वार्ड का है। बताया गया 21 वर्षीय दुर्गा यादव की शादी करीब दो वर्ष पहले रायपुर जिले के परखंदा गांव से धमतरी के बांसपारा वार्ड निवासी पुरुषोत्तम यादव से हुई थी। शनिवार को दुर्गा यादव ने अपने घर की खिड़की में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। वहीं पत्नी के मौत की खबर सुनकर पति पुरुषोत्तम यादव गहरे सदमे में आ गया और उसने भी उसी फंदे से आत्महत्या करने का प्रयास किया। लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने समय रहते उसे देख लिया और तत्काल बचाकर जिला अस्पताल पहुंचाया जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने के पीछे शारीरिक समस्या की बात सामने आ रही है। हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। वहीं इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 के तहत 01 जून को होगा मतदान

धमतरी। त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 के तहत आगामी 01 जून को मतदान होगा। श्रम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक शासकीय एवं निजी संस्थानों, कारखानों में 01 जून को उप निर्वाचन क्षेत्रों के अंतर्गत कार्यरत श्रमिकों, कर्मचारियों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना अधिनियम के तहत आने वाले कारखानों, स्थापनाओं में कार्यरत उन श्रमिक, कर्मचारियों के लिए मतदान के दिन 01 जून को राज्य शासन द्वारा संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में अवकाश घोषित किया गया है। ऐसे कारखाने जो सप्ताह में सातों दिन कार्य करते हैं, वहां प्रथम एवं द्वितीय पाली के श्रमिकों को मतदान के दिन 02-02 घंटे का अवकाश घोषित किया गया और जो कारखाने निरंतर प्रक्रिया के तहत आते हैं, उनमें काम करने वाले श्रमिकों को बारी.बारी से मतदान की सुविधा दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से दुष्कर्म के 3 और अलग- अलग प्रकरणों में 3 आरोपियों को मिली 20-20 वर्ष की सजा

रायपुर। पुलिस की मजबूत विवेचना एवं प्रभावी पैरवी का बड़ा परिणाम। वर्ष 2026 में ही पॉक्सो एक्ट के 09 प्रकरणों में मिल चुका है न्यायालय का सख्त फैसला - महिला एवं बाल अपराधों पर धमतरी पुलिस की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का दिख रहा प्रभाव। उत्कृष्ट एवं सराहनीय विवेचना के लिए तीनों थानों के विवेचना अधिकारियों को एसपी धमतरी द्वारा नगद पुरस्कार से किया जाएगा सम्मानित। पुलिस अधीक्षक धमतरी सूरज सिंह परिहार द्वारा जिले में घटित गंभीर अपराधों, विशेषकर महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े प्रकरणों की लगातार मॉनिटरिंग एवं नियमित समीक्षा की जा रही है। सभी विवेचना अधिकारियों को वैज्ञानिक एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना, त्वरित साक्ष्य संकलन, तकनीकी साक्ष्यों के प्रभावी उपयोग तथा न्यायालय में मजबूत प्रस्तुतीकरण सुनिश्चित करने के स्पष्ट एवं सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसी का परिणाम है कि धमतरी पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट जैसे गंभीर मामलों में लगातार प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपियों को कठोर सजा दिलाई जा रही है।

नशा करने से रोकने पर पिता-पुत्र ने पड़ोसी परिवार पर चाकू से किया हमला

रायपुर। राजधानी रायपुर में चाकूबाजी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। गंज थाना क्षेत्र के पारस नगर इलाके में नशा करने से रोकने पर पिता-पुत्र द्वारा पड़ोसी परिवार पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना में तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, पारस नगर निवासी अरुण साहू के घर के सामने आए दिन नशेबाजों का जमावड़ा लगा रहता था। इसी बीच अरुण साहू ने स्थानीय युवक साहिल खान को घर के सामने नशा करने से मना किया। इस बात से नाराज साहिल खान ने अपने पिता इस्माइल के साथ मिलकर अरुण साहू और उनके परिवार पर हमला कर दिया। हमले में अरुण साहू, उनकी पत्नी रजनी साहू और बेटा अनुज घायल हो गए। तीनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही गंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों साहिल खान व इस्माइल को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

रायगढ़ में बच्चों को नशे का जहर बेच रहा था डोकरी

रायपुर। रायगढ़ के रामभांठा संजय मैदान में मासूम बच्चों को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाला खेल उस वक्त बेनकाब हो गया जब ऑपरेशन आघात के तहत कोतवाली पुलिस ने सोल्यूशन बेचने वाले आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया। शहर के बीचोंबीच नाबालिग लड़कों को नशे के लिए सुपर मैक्स साइकिल सोल्यूशन बेचने की सूचना मिलते ही पुलिस ने ताबड़तोड़ घेराबंदी की और मौके से डोकरी नाम से मशहूर युवक को दबोच लिया। मामला 27 मई 2026 का है, जब वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी व सीएसपी मयंक मिश्रा के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस नशे के खिलाफ लगातार अभियान चला रही थी। थाना प्रभारी निरीक्षक सुखनंदन पटेल को मुखबिर से सूचना मिली कि रामभांठा स्थित संजय मैदान में एक युवक छोटे बच्चों को सोल्यूशन बेच रहा है।

ग्राम जेवड़नखुर्द और मिनमीनिया में आयोजित हुआ जन समस्या निवारण शिविर

गांव-गांव पहुंच रही सुशासन की योजनाएं-उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

- ग्रामवासियों के बीच पहुंचे उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, मौके पर ही किया समस्याओं का समाधान
- दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल, हितग्राहियों को आवास की चाबी सहित अनेक योजनाओं से लाभान्वित किया

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के कवर्धा विकासखंड के ग्राम जेवड़नखुर्द तथा बोड़ला विकासखंड के ग्राम मिनमीनिया में आयोजित सुशासन तिहार में ग्रामीणों के बीच पहुंचे एवं आमजनों से सीधे संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों के बीच सादगी और आत्मीयता के साथ बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं तथा कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने शिविर में दिव्यांगजनों की मांग पर त्वरित रूप से ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को नए आवास की चाबी भी सौंपी तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत अनेक हितग्राहियों को लाभान्वित किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार में शासन की योजनाएं अब गांव-गांव तक पहुंच रही है। उन्होंने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि बरपेलाटोला से सिंघनपुरी तक 2.5 करोड़ रुपए की लागत से सड़क

निर्माण, मुख्य सड़क पोड़ी से उसलापुर नहर होते हुए बोधईकुंडा तक 4.5 करोड़ रुपए की सड़क, चरडोंगरी - कोठार मार्ग से सारंगपुरखुर्द नहर पार तक 2.6 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण तथा सूरजपुर से मोहगांव तक 3.58 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पूर्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए लंबे समय तक आंदोलन चलाया गया था और सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक के पहले ही प्रस्ताव में प्रधानमंत्री आवास योजना को शामिल किया गया और पहली कैबिनेट में ही 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए। उन्होंने बताया कि ग्राम मिनमीनिया में 21 गांवों और ग्राम जेवड़नखुर्द में 15 गांवों के लिए शिविर आयोजित किया गया है और सभी गांवों में आवास की भी स्वीकृति की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि नए हितग्राहियों को भी जोड़ने के लिए नया सर्वे भी कराया गया है, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामीणों को जानकारी देते हुए बताया कि सुशासन तिहार शिविर में बी-1, खसरा और ऋण पुस्तिका जैसी आवश्यक दस्तावेज निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले के अनेक गांवों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां महिलाएं, बुजुर्ग और ग्रामीण अपने गांव में ही विभिन्न योजनाओं की राशि निकाल पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 27 किस्तों में 27 हजार रुपए महिलाओं के खातों में पहुंचाए जा चुके हैं, जिनकी राशि अब ग्रामीण अपने गांव में ही निकाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांवों के स्कूलों में स्मार्ट क्लास की शुरुआत की गई है, जहां डिजिटल माध्यम और 3डी एनिमेशन से बच्चों को पढ़ाई कराई जा रही है। दिव्यांगजनों को गतिशील बनाने के लिए स्कूटी प्रदान की जा रही है। महिलाओं की बैठकों के लिए महतारी सदन और युवाओं में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 8.10 करोड़ रुपए की लागत से छीरपानी जलाशय से जुड़ी राम्हेपुर वितरक नहर एवं संबद्ध माइनर नहरों के सीसी लाइनिंग कार्य का भूमिपूजन कर निर्माण शुरू कर दिया गया है। इस परियोजना के पूरा होने पर 1540 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी

बाड़ी में साड़ी से छुपाकर उगाए गांजे के 40 पौधे...

रायपुर। जशपुर के लोदाम इलाके में एक घर की साधारण दिखने वाली बाड़ी के भीतर ऐसा राज छिपा था जिसने पुलिस को भी चौंका दिया, साड़ी और प्लास्टिक नेट की आड़ में उगाए गए 40 गांजे के पौधों का खुलासा होते ही ऑपरेशन आघात के तहत जशपुर पुलिस ने बड़ा एक्शन लेते हुए आरोपी को धर दबोचा। मामला थाना लोदाम क्षेत्र के ग्राम खिखिर टोली का है, जहां 26 मई 2026 को मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के बाद लोदाम पुलिस हरकत में आई। सूचना थी कि विजय सिंह उम्र 58 वर्ष निवासी ग्राम लोदाम खिखिर टोली अपने घर के आंगन की बाड़ी में भारी मात्रा में अवैध गांजा उगा रहा है और पौधों को छिपाने के लिए चारों तरफ प्लास्टिक नेट और साड़ी का घेरा बना रखा है। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार पाटनवार के मार्गदर्शन में थाना लोदाम पुलिस, गवाहों और एफएसएल टीम ने मौके पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान बाड़ी के भीतर बड़े पैमाने पर गांजे के पौधे मिले। पुलिस ने जब पौधों को उखाड़कर गिना तो 18 बड़े और 22 छोटे मिलाकर कुल 40 नग गांजे के पौधे बरामद हुए। बड़े पौधों की ऊंचाई 4 फीट 7 इंच तक थी जबकि छोटे पौधे करीब 2 फीट लंबे थे। जड़, तना और पत्ती सहित कुल वजन 3 किलो 646 ग्राम निकला जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 82 हजार 300 रुपये बताई गई। पूछताछ में आरोपी विजय सिंह ने अपराध स्वीकार कर लिया जिसके बाद थाना लोदाम में धारा 20(ए) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

उन्नत कृषि तकनीकों से बदल रही खेती की तस्वीर-किसान विनोद बैरागी.....

- नैनो डीएपी और नैनो यूरिया से कम लागत में बेहतर उत्पादन, किसान विनोद बैरागी बने प्रेरणा

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से शासन द्वारा आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का उपयोग किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रहा है। कम लागत, बेहतर पोषण प्रबंधन और अधिक उत्पादन के कारण किसान तेजी से इस तकनीक की ओर आकर्षित हो रहे

हैं। बलरामपुर जिले के विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम जवाहरनगर निवासी प्रगतिशील किसान श्री विनोद बैरागी ने नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का उपयोग कर खेती में सकारात्मक बदलाव का अनुभव किया है। उन्होंने बताया कि लगभग 5 एकड़ कृषि भूमि में पहले पारंपरिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग किया जाता था, जिससे लागत अधिक आती थी। कृषि विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने पिछले वर्ष फसल में नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का प्रयोग किया, जिसके परिणामस्वरूप फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। श्री बैरागी ने बताया कि नैनो उर्वरकों की कम मात्रा से ही बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं। इससे पौधों को आवश्यक पोषक तत्व प्रभावी ढंग से मिले तथा उर्वरक पर होने वाला खर्च भी कम हुआ। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान खेती को अधिक वैज्ञानिक, टिकाऊ और लाभकारी बना सकते हैं। उन्होंने जिले के अन्य किसानों से भी नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के उपयोग की अपील करते हुए कहा कि नई तकनीकों के माध्यम से खेती में उत्पादन बढ़ाने के साथ लागत कम करना संभव है। किसान श्री बैरागी ने कृषि विभाग द्वारा समय-समय पर दिए जा रहे ।

भीषण गर्मी से वन्यजीवों पर संकट,वन विभाग सतर्क.....

- खैरागढ़ में 15 वन्यजीवों और पक्षियों की मौत, जांच के लिए भेजे गए नमूने
- ट्रैप कैमरों के माध्यम से वन्यजीवों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और हीट वेव का असर अब वन्यजीवों पर भी दिखाई देने लगा है। खैरागढ़ वन क्षेत्र के उपवृत्त लछना अंतर्गत दल्लीखोली के वन कक्ष क्रमांक 322 में 15 वन्यजीव और पक्षी मृत अवस्था में पाए गए। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल जांच शुरू की गई। वन विभाग और पशु चिकित्सकों की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्राथमिक जांच में माना जा रहा है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में पड़ रही अत्यधिक गर्मी और हीट वेव के कारण यह घटना हुई हो सकती है। जांच को पुख्ता करने के लिए आसपास के जल स्रोतों और मिट्टी के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए हैं। भीषण गर्मी से वन्यजीवों को राहत देने के लिए वन विभाग ने क्षेत्र में 3 अस्थायी वाटर होल तैयार किए हैं। इनमें नियमित रूप से पेयजल की व्यवस्था की जा रही है। आवश्यकता के अनुसार अन्य स्थानों पर भी वाटर होल बनाए जा रहे हैं, ताकि वन्यजीवों को पानी की कमी का सामना न करना पड़े। वन विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। ट्रैप कैमरों के माध्यम से वन्यजीवों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। साथ ही वन अमला नियमित गश्त कर रहा है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। वन मंडलाधिकारी श्री पंकज सिंह राजपूत ने बताया कि वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार विभाग पूरी गंभीरता से स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों और आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई वन्यप्राणी या पक्षी घायल, बीमार, असामान्य स्थिति में या मृत अवस्था में दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत वन विभाग को दें। वन विभाग ने सहायता के लिए कंट्रोल रूम नंबर 247 तथा मोबाइल नंबर +91-9301321797 जारी किया है। विभाग ने कहा है कि वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

शिविर में त्वरित समाधान से कलेश कश्यप को मिली राहत...

- आवेदन पर तत्काल कार्रवाई कर प्रदान की गई किसान किताब, खेती-किसानी के कार्य होंगे आसान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल सुशासन तिहार 2026 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का भरोसेमंद माध्यम बनता जा रहा है। प्रदेशभर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ निराकरण किया जा रहा है।

इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत बलौदा अंतर्गत ग्राम जर्वे (च) निवासी श्री कलेश कश्यप को जनसमस्या निवारण शिविर में त्वरित राहत मिली। किसान किताब नहीं होने के कारण उन्हें कृषि ऋण, बीज एवं उर्वरक वितरण सहित विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अपनी समस्या के समाधान के लिए उन्होंने सुशासन तिहार के तहत आयोजित शिविर में आवेदन प्रस्तुत किया। शिविर में संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा आवेदन प्राप्त होते ही आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर त्वरित कार्रवाई की गई और श्री कलेश कश्यप को मौके पर ही किसान किताब प्रदान की गई। किसान किताब मिलने पर उनके चेहरे पर खुशी और संतोष साफ दिखाई दिया। किसान किताब मिलने से अब श्री कलेश कश्यप को फसल ऋण, कृषि अनुदान, बीज एवं उर्वरक वितरण सहित शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी।

मंत्री के पीए बनकर ठगी करने वाला गिरफ्तार किए

रायपुर। मैं मंत्री नितिन नवीन का पीए बोल रहा हूं, तुरंत पैसों की जरूरत है... बस इतनी बात सुनकर मंदिर में सेवा करने वाला युवक भरोसे में आ गया और कुछ ही मिनटों में साइबर ठगी का शिकार बन बैठा, लेकिन रायपुर पुलिस ने मामला दर्ज होते ही ऐसा जाल बिछाया कि आरोपी उड़ीसा से दबोच लिया गया। मामला थाना खम्हारडीह क्षेत्र का है, जहां जगन्नाथ मंदिर गायत्री नगर में सेवा कार्य करने वाले प्रार्थी को 24 मई 2026 की रात करीब 8:24 बजे एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को मंत्री नितिन नवीन का पीए बताते हुए तुरंत पैसों की जरूरत होने की बात कही। इसके बाद दूसरे नंबर से कॉल कर एक स्कैनर भेजा गया, जिस पर कामिनी बेहरा नाम दिखाई दे रहा था। भरोसे में आए प्रार्थी ने फोन-पे के जरिए 10 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। रकम भेजने के बाद आरोपी लगातार और पैसे मांगने लगा, तब प्रार्थी को शक हुआ और उसने अन्य लोगों से चर्चा की, जहां उसे साइबर ठगी का एहसास हुआ। शिकायत मिलते ही थाना खम्हारडीह पुलिस ने अपराध क्रमांक 164/2026 धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पंडरी और खम्हारडीह से 6 सदस्यीय विशेष टीम बनाई गई। तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल नंबर की ट्रैकिंग के जरिए आरोपी की पहचान सहदेव मलिक पिता स्वर्गीय महानी मलिक उम्र 35 वर्ष निवासी तालदा थाना अस्टरंगा जिला पुरी उड़ीसा के रूप में हुई।

किसान चोवाराम एवं बेनीराम ने खाद, बीज के वितरण की व्यवस्था की सराहना की

सहकारी समितियों में नियमित रूप से किया जा रहा खाद का वितरण

रायपुर। संवाददाता

केन्द्र व राज्य सरकार के द्वारा खरीफ वर्ष 2026 के लिए किसानों को समुचित मात्रा में खाद, बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु की गई व्यवस्था के तहत बालोद जिले के सहकारी समितियों में नियमित रूप से जिले के कृषकों को नियमित रूप से खाद, बीज का वितरण किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले के सभी सहकारी समितियों में शासन द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों के आधार पर किसानों को समुचित मात्रा में खाद, बीज की भण्डारण के साथ-साथ वितरण हेतु भी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। बालोद जिले में खाद, बीज की समुचित वितरण हेतु की गई व्यवस्था की सराहना जिले के कृषकों ने भी की है। आगामी खरीफसीजन हेतु समुचित मात्रा में खाद, बीज उपलब्ध होने पर गुरूर विकासखण्ड के ग्राम फगुनदाह निवासी कृषक श्री चोवाराम एवं ग्राम पेण्डरवानी निवासी श्री बेनीराम साहू ने व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे किसानों के लिए हितकर बताया है। समय पर खाद, बीज मिलने से बहुत ही प्रसन्नचित नजर आ रहे किसान श्री चोवाराम ने बताया कि कुल 02 एकड़ भूमि वाले एक लघु कृषक है। श्री चोवाराम ने कहा कि उन्होंने एक सप्ताह पहले अपने ग्राम फगुनदाह के सहकारी समिति में पहुँचकर दो बॉटल नैनो डीएपी, एक बॉटल युरिया के साथ-साथ दो बोरी युरिया एवं एक बोरी सुपरफास्फेट खाद प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि सहकारी समितियों में की गई बेहतर व्यवस्था के फलस्वरूप उन्हें खाद, बीज प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की असुविधा नही हुई। इसी तरह जिले में खाद, बीज की वितरण की व्यवस्था की सराहना गुरूर विकासखण्ड के ग्राम पेण्डरवानी के कृषक श्री बेनीराम ने भी किया है। किसान श्री बेनीराम ने बताया कि वे कुल 20 एकड़ जमीन वाले बड़े कृषक है। किसान बेनीराम ने बताया कि सहकारी समिति ग्राम पेण्डरवानी में पहुँचकर उन्होंने 05 बोरी स्वर्णा और स्वर्णा सब 1 तथा मांग के अनुरूप अन्य धान, बीज उन्होंने प्राप्त किया है। सहकारी समिति में धान, बीज के प्राप्त करने में उन्हें एवं अन्य

कृषकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नही हुई। जिससे हम सभी कृषक प्रसन्नचित होने के साथ-साथ भविष्य में भी समय पर खाद, बीज प्राप्त करने के लिए पूरी तरह आशान्वित है।

जिले में कुल 41509 मीट्रिक टन खाद उपलब्ध, विगत वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर कलेक्टर राजनांदगाँव श्री जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में खरीफसीजन में खेती-किसानी को ध्यान में रखते हुए किसानों को समय पर खाद-बीज का वितरण किया जा रहा है ।कलेक्टर ने कृषि अधिकारियों को कहा है कि किसानों को खाद-बीज के लिए किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष खरीफ में धान सहित दलहन-तिलहन फसलों में परम्परागत खाद के साथ वैकल्पिक खाद एवं नैनो यूरिया व डीएपी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए समितियों एवं निजी क्षेत्रों में खरीफपूर्व तैयारी के दृष्टि से वर्ष हेतु 68690 मीट्रिक टन का लक्ष्य रखा गया है। जिले में सहकारी एवं निजी क्षेत्र को मिलाकर जिले में कुल 41509 मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है। जिसमें 17153 मीट्रिक टन यूरिया, 4088 मीट्रिक टन डीएपी, 10129 मीट्रिक टन एनपीके, 3382 मीट्रिक टन एमओपी एवं 6757 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट खाद उपलब्ध है, जो गत वर्ष इसी अवधि की तुलना से 34 प्रतिशत अधिक है। उप संचालक कृषि श्री टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को लगातार खाद वितरण किया जा रहा है। जिले में 14972 किसानों को खाद प्रदाय किया जा चुका हैं। जिसमें 7193 मीट्रिक टन यूरिया, 1807 मीट्रिक टन डीएपी, 4669 मीट्रिक टन एनपीके, 1322 मीट्रिक टन एमओपी एवं 2214 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट खाद किसानों को आगामी खरीफ फसलों हेतु वितरण किया जा चुका है तथा समितियों में 4568 मीट्रिक टन यूरिया, 1032 मीट्रिक टन डीएपी, 3082 मीट्रिक टन एनपीके, 1364 मीट्रिक टन एमओपी एवं 1350 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक उपलब्ध है।

संपादकीय

भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को नया विस्तार

अब भारत और इटली के बीच दुर्लभ खनिजों के मुद्दे पर हुए समझौते के अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर जो सहमति बनी है, उससे उम्मीद बंधी है कि दोनों देशों के संबंधों को एक नया आयाम मिलेगा।इस दौर में वैश्विक स्तर पर कई तरह की नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। ऐसे में भारत और इटली के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक अहम अध्याय के रूप में देखा जा सकता है। दरअसल, दोनों देशों ने वर्ष 2029 तक अपने बीच होने वाले व्यापार को नई ऊंचाई देने का एक महत्त्वपूर्ण संकल्प लिया है।यों कुछ समय पहले भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते ने एक नई जमीन रची थी, लेकिन अब भारत और इटली के बीच दुर्लभ खनिजों के मुद्दे पर हुए समझौते के अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर जो सहमति बनी है, उससे उम्मीद बंधी है कि दोनों देशों के संबंधों को एक नया आयाम मिलेगा।इसके अलावा रणनीतिक साझेदारी पर भी अहम समझौतों के साथ रक्षा, व्यापार और नवाचार से लेकर अन्य कई महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के कदम बढ़ते दिख रहे हैं। मगर यह धरातल पर कितना उतरेगा, अभी कहना मुश्किल है। उम्मीद की जा रही है कि वैश्विक स्तर पर बदलते समीकरणों के बीच रक्षा तथा आर्थिक संबंध और समुद्री परिवहन में सहयोग बढ़ाने का संकल्प द्विपक्षीय संबंधों को नया विस्तार देगा। खासतौर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर जो समझौते हुए हैं, वे भविष्य में हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिहाज से बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। अगर ये जमीन पर उतरते हैं, तो इसे एक महत्त्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि माना जाएगा, जो शायद दोनों देशों के संबंधों को एक नए स्तर पर आगे ले जाए। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे पर सहयोग करने की प्रतिबद्धता से भी स्पष्ट है कि साझेदारी का दायरा बड़ा है। गौरतलब है कि इटली, यूरोपीय संघ में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।रणनीतिक साझेदारी कई स्तरों पर बढ़ने जा रही है, लेकिन अच्छी बात यह है कि विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक व्यापक रूपरेखा बनेगी और दोनों देश संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना की समीक्षा करेंगे। आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए साझा प्रयास करने पर दोनों देशों के बीच बनी सहमति वक्त की जरूरत है। हालांकि, फिलहाल संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि दोनों देश इसे व्यावहारिक स्तर पर कितना और कैसे लागू करते हैं।भारत और इटली के संबंध अब एक निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तेजी से विस्तार हुआ है। ये संबंध अब केवल सौहार्दपूर्ण मित्रता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों तथा भविष्य के साझा दृष्टिकोण पर आधारित एक विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं। ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया की व्यवस्था बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, इटली और भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक एवं संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है।

तपती धरती, झुलसता जीवन- जनता के समक्ष हीटवेव की चुनौती

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया।

(ललित गर्ग)

हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं।

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया।
यह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार, अंधाधुंध शहरीकरण, जंगलों की कटाई, संसाधनों के दोहन और सुविधावादी जीवनशैली का परिणाम है। प्रकृति ने बार-बार संकेत दिए, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उन संकेतों को अनसुना किया। आज वही उपेक्षित चेतावनियां लू बनकर हमारे सामने खड़ी हैं।

हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन विडंबना है कि विकास के नाम पर जंगलों का तेजी से विनाश हुआ। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर तापमान बढ़ा, नमी कम हुई, वर्षा चक्र प्रभावित हुआ और गर्म हवाओं की अवधि लंबी होती गई। आज शहर कंक्रीट के जंगल बन चुके हैं। महानगरों में हरित क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट, ड्रामर और शीशे की ऊंची इमारतें ले रही हैं। इससे अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव तेजी से बढ़ा है। शहर अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं। कंक्रीट दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखता है और रात में धीरे-धीरे छोड़ता है। परिणामस्वरूप रातें भी गर्म होती जा रही हैं और शरीर को राहत नहीं मिल पाती।

दिल्ली, मुंबई, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में रात का तापमान पहले की तुलना में लगातार बढ़ रहा है। गरीब बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं, न पर्याप्त जल आपूर्ति, न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्ठी बन जाते हैं। गर्मी की मार सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है, लेकिन मजदूर, रिक्शाचालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजरेंट गैसें

अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है-गर्मी बढ़ती है, एसी बढ़ते हैं, उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं, धान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं, जल स्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सबसे अधिक खतरा बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बाहर काम करने वाले श्रमिकों को है।

गर्मी का यह संकट सामाजिक और मानवीय संकट भी बन सकता है। जल स्रोतों के सूखने, कृषि संकट और जीवन परिस्थितियों के बिगड़ने से बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ सकता है। जैव विविधता पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अनेक जीव-जंतु और वनस्पतियां अपने प्राकृतिक आवास खो रही हैं। हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकारों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाती है। केवल रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट जारी करना पर्याप्त नहीं है। हीटवेव को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख विषय के रूप में स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक नीतियां बनानी होंगी। सबसे पहले शहरों में हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। प्रत्येक शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने, जल संरक्षण, छायादार मार्ग, सार्वजनिक प्याऊ और शीतलन केंद्रों की व्यवस्था आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों के समय निर्धारण में क्षेत्रीय तापमान को ध्यान में रखा जाना चाहिए। तीखी दोपहर में श्रमिकों के लिए कार्यावधि सीमित की जाए और उनके लिए विश्राम तथा पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य हो।

सरकार को भवन निर्माण नीति में भी परिवर्तन लाना होगा। पारंपरिक भारतीय वास्तुकला-हवादार घर, आंगन, मिट्टी आधारित निर्माण, हरित छतें और प्राकृतिक वेंटिलेशन को बढ़ावा देना चाहिए। कांच की चमचमाती इमारतों और ऊष्मा अवशोषित करने वाले निर्माणों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। कूल रूफ्तकनीक, वर्षा जल संचयन और सौर ऊर्जा आधारित शीतलन प्रणाली को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वन संरक्षण और वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनना चाहिए। शहरों में माइक्रो फॉरेस्ट, पार्क और हरित गलियारों का निर्माण किया जाए। जल निकायों और पारंपरिक तालाबों को पुनर्जीवित किया जाए क्योंकि वे स्थानीय तापमान नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन केवल सरकारें यह लड़ाई नहीं जीत सकतीं। आम जनता को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। हमें उपभोगवादी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। पानी का संयमित उपयोग, ऊर्जा की बचत, वृक्षारोपण, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण अब व्यक्तिगत विकल्प नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी हैं।

भारतीय समाज में कभी सार्वजनिक प्याऊ, छायादार विश्राम स्थल और जल सेवा की समृद्ध परंपरा थी। गर्मियों में राहगीरों के लिए जल की व्यवस्था पुण्य कार्य माना जाता था। आज उस परंपरा को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। समाज, धार्मिक संस्थाएं और स्वयंसेवी संगठन मिलकर जल सेवा और राहत कार्यों का अभियान चला सकते हैं। गर्मी और जल संकट को राजनीति का विषय बनाने के बजाय सहयोग और समाधान का विषय बनाना होगा। जल विवादों और संसाधनों पर स्वार्थपूर्ण राजनीति भविष्य को और कठिन बनाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु अनुकूलन को राष्ट्रीय सहमति का विषय बनाया जाए।

वर्ष 2026 की यह झुलसाती गर्मी हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने अभी भी प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित नहीं किया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और विकराल होगी। पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, जैव विविधता नष्ट होगी, खाद्य संकट गहराएगा और मानव जीवन अधिक कठिन हो जाएगा। यह समय प्रकृति से संघर्ष का नहीं, उसके साथ सामंजस्य का है। हमें विकास की ऐसी दिशा चुननी होगी जिसमें पर्यावरण, मानव जीवन और भविष्य सुरक्षित रह सके। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब सूरज की तपिश केवल असुविधा नहीं, अस्तित्व का संकट बन जाएगी।लेखक,पत्रकार एवं स्तंभकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अवैध बस्तियों पर बुलडोजर से पहले जवाबदेही क्यों नहीं? शहरों के फैलते संकट पर बड़ा सवाल

(प्रवीण प्रवाह)

पिछले कुछ वर्षों में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर आशियाना बना लेने का चलन बढ़ा है। आज यह एक गंभीर समस्या के रूप में सामने है। महानगरों से लेकर छोटे शहर तक, कोई भी इससे अछूता नहीं है। इसका मुख्य कारण रोजगार की तलाश में गांवों से शहरों की ओर पलायन है। शहरों में ढांचागत सुविधाएं सीमित और महंगी हैं, जबकि उनकी आबादी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में गरीब परिवारों के सामने आवास का संकट होता है और वे खाली पड़ी सरकारी जमीन पर पहले अपना अस्थायी आशियाना बनाते हैं और बाद में कुछ लोग वहां स्थायी ढांचा या पक्का मकान बना लेते हैं। राज्य सरकारों की ओर से ऐसी बस्तियों को हटाने के लिए समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं, जिनका व्यापक स्तर पर विरोध भी होता है। कई बार ऐसे मामले अदालत तक पहुंच जाते हैं। सवाल है कि इस तरह की बस्तियों को बसने ही क्यों दिया जाता है, जिन्हें बाद में हटाने के लिए सरकारी मशीनरी का उपयोग करना पड़ता है। इससे न केवल सरकारी कोष पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है, बल्कि बेदखल किए गए परिवारों के सामने भी कई तरह की चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं।

हाल के दिनों में दिल्ली, मेरठ, हल्द्वानी, कानपुर सहित देशभर के अनेक शहरों में अतिक्रमण कर बनाए गए आशियानों को हटाने से जुड़ी घटनाएं सामने आई हैं। उत्तराखंड के हल्द्वानी रेलवे भूमि प्रकरण में प्रदेश उच्च न्यायालय ने अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने रोक लगाते हुए इसे 'मानवीय मुद्दा' माना और कहा कि हजारों लोगों को एक झटके में बेघर नहीं किया जा सकता। हालांकि, बाद में शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि भूमि रेलवे की है और कब्जाधारियों का उस पर कोई वैधानिक अधिकार नहीं है, मगर राज्य सरकार को प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के विकल्पों पर विचार करना चाहिए। इस तरह के मामलों में एक प्रश्न हमेशा अनुत्तरित रह जाता है कि सार्वजनिक उपयोग की भूमि जैसे सड़क, पार्क, विद्यालय या अस्पताल के लिए आरक्षित भूखंड या फिर रेलवे और वन विभाग की जमीन पर वर्षों तक अवैध बस्तियां कैसे बस जाती हैं।

यह आश्चर्यजनक है कि इन बस्तियों में मकानों को बिजली-पानी के कनेक्शन दिए जाते हैं और इनसे नियमित रूप से गृह कर भी वसूला जाता है। कई लोग अपनी जीवनभर की कमाई लगाकर यहां अपने लिए घर खरीदते हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि जब यह सब हो रहा होता है, तब प्रशासन कोई कदम क्यों नहीं उठाता? यदि मकानों का निर्माण अवैध तरीके से किया जाता है, तो प्रारंभिक स्तर पर ही इन्हें क्यों नहीं रोका जाता? क्या यह केवल नागरिकों की भूल है, या फिर प्रशासनिक लापरवाही? स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब वर्षों बाद अचानक इन बस्तियों को अवैध घोषित कर ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी जाती है। बुलडोजर जब चलता है, तो केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं गिराता, बल्कि यह उन परिवारों के सपनों, सुरक्षा और भविष्य को भी कुचल देता है, जिन्होंने वहां अपना बसेरा बनाकर नई जिंदगी की शुरुआत की थी।

यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि क्या एक सामान्य नागरिक से यह अपेक्षा की जा सकती है कि वह वर्षों पुराने भूमि अभिलेखों की गहराई से जांच करे? अगर वह ऐसा नहीं कर पाता, तो क्या वह अपराधी बन जाता है? या फिर असली दोषी वे लोग हैं, जिन्होंने इस पूरे तंत्र को संचालित किया यानी माफिया, दलाल और वे अधिकारी, जिन्होंने समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया? न्याय केवल यह कह देने तक सीमित नहीं होना चाहिए कि अवैध निर्माण हटाया जाए। न्याय का वास्तविक उद्देश्य यह भी होना चाहिए कि इस बात पर गौर किया जाए कि अवैध निर्माण किसकी लापरवाही से हुआ। बिना जवाबदेही तय किए केवल कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं है।

एक मूलभूत प्रश्न यह भी है कि क्या सरकार अपनी भूमि और सड़कों की चौड़ाई का नियमित संरक्षण एवं चिह्नांकन नहीं कर सकती? जब देश में जनगणना जैसे व्यापक कार्य संभव हैं, तो क्या समय-समय पर सार्वजनिक भूमि का भौतिक सत्यापन नहीं हो सकता? यदि कोई परिवार लंबे समय से किसी सरकारी भूखंड पर निवास कर रहा है और उसके पास आधार, पैन एवं मतदाता पहचान पत्र जैसे प्रमाण हैं, तो यह व्यवस्था की विफलता है। ऐसे लोगों के लिए तत्काल पुनर्वास या आर्थिक सहायता की व्यवस्था होनी चाहिए। दूसरा, उन व्यक्तियों और अधिकारियों से भी मुआवजा वसूला जाना चाहिए, जिन्होंने इस अव्यवस्था को जन्म दिया। भू एवं राजस्व विभाग में हर स्तर पर इस समस्या पर गंभीरता से विचार किए जाने की जरूरत है और प्रशासनिक सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। इस समस्या की जड़ का एक पहलू यह है कि अधिकारियों के स्थानांतरण के साथ जिम्मेदारी भी धुंधली पड़ जाती है।

जन अपेक्षाओं पर खरे उतरने की एक मुख्यमंत्री की सकारात्मक पहल

समूचा उत्तरी भारत भीषण गर्मी की चपेट में चल रहा है तो दूसरी और ना तो राजस्थान में कोई आसन्न विधानसभा या लोकसभा के चुनाव है और ना ही कोई ऐसी आपात् स्थिति जिसमें जनता से सीधा संवाद कायम करना आवश्यक हो, ऐसी स्थिति में ही एक संवेदनशील मुख्यमंत्री के नाते राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गावों में चौपाल आयोजित कर सीधे ग्रामीणों से रुबरु हो रहे हैं, यह वास्तव में जननेता की पहचान व उसकी आमजन के प्रति सोच का परिणाम है। 40 डिग्री से अधिक के तापमान में मुख्यमंत्री की रात्रि चौपाल और फिर रात्रि विश्राम आज के सुविधाभोगी युग में लगभग असंभव लग रहा है पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस लपलपाती गर्मी में गांवों में रात्रि चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों से संवाद कायम कर रहे हैं।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यह पहल सीधा ग्रामीणों से रुबरु होने का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ही माने तो इससे गांवों की समस्याओं से रुबरु होने का अवसर मिलता है तो आवश्यक निर्देश मौके पर ही जारी होने से समस्याओं का समाधान भी मौके पर ही हो पाता है।

समूचा उत्तरी भारत भीषण गर्मी की चपेट में चल रहा है तो दूसरी और ना तो राजस्थान में कोई आसन्न विधानसभा या लोकसभा के चुनाव है और ना ही कोई ऐसी आपात् स्थिति जिसमें जनता से सीधा संवाद कायम करना आवश्यक हो, ऐसी स्थिति में ही एक संवेदनशील मुख्यमंत्री के नाते राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गावों में चौपाल आयोजित कर सीधे ग्रामीणों से रुबरु हो रहे हैं, यह वास्तव में जननेता की पहचान व उसकी आमजन के प्रति सोच का परिणाम है। 40 डिग्री से अधिक के तापमान में मुख्यमंत्री की रात्रि चौपाल और फिर रात्रि विश्राम आज के सुविधाभोगी युग में लगभग असंभव लग रहा है पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस लपलपाती गर्मी में गांवों में रात्रि चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों से संवाद कायम कर रहे हैं। 5 मई से 16 मई तक राजधानी जयपुर ही नहीं अपितु दूरदराज के इलाकों के गांवों में पांच चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों से सीधा संवाद कायम करने के साथ ही रात को उसी गांव के सरकारी स्कूल में रात्रि विश्राम और फिर सुबह गांव में ही प्रातःकालीन भ्रमण के माध्यम से गांववासियों से आत्मीय संवाद कायम कर रहे हैं। मई माह में मुख्यमंत्री 5 से 16 मई के दौरान प्रतापगढ़ के बम्बोरी, सीकर के जाजोर, अजमेर के पुष्कर के पास कड़ेल, जालौर के पंसेरी और जयपुर के ठिकरिया में ग्राम विकास चौपाल में ग्रामीणों के बीच बैठकर उनसे रुबरु हो चुके हैं। 20 मई को बांसवाड़ा के चुड़ावा और 21 मई को धुम्बाला को ग्रामीण चौपाल और गांव की सरकारी स्कूल में रात्रि विश्राम कर रहे हैं। यह गांव कोई राजधानी जयपुर के पास के नहीं है अपितु प्रदेश के दूरदराज के गांव है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समय निकाल कर इन गांवों में रात्रि चौपाल में ग्रामवासियों की परिवेदनाओं को सुनते हैं, यथा सभव मौके पर ही समाधान करने का प्रयास करते हैं और रात्रि को भोजन भी गांव के ही किसी ग्रामवासी के घर बिना किसी तामझाम के करते हुए देखा जा सकता है। इसके साथ ही खासबात यह है कि इस भीषण गर्मी के दौर में गांव के स्कूल में ही रात्रि को विश्राम करने के साथ ही प्रातःकालीन भ्रमण के दौरान गांववासियों से अपनत्व के साथ मेलमिलाप कर रहे हैं। यह धरातलीय हालातों को समझने, लोगों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं की जानकारी लेने, स्थानीय समस्याओं को समझने और उनके निराकरण का बेहतरीन माध्यम होने के साथ ही मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामवासियों में जिस तरह का संदेश जाता है उसे हम भलीभांति समझ सकते हैं। क्योंकि आज के हालातों में मुख्यमंत्री तो दूर की बात जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मिलना भी इतना आसान नहीं होता। फिर सबसे बड़ी बात यह कि मुख्यमंत्री मतलब सरकार आपके बीच आती है तो फिर उसके परिणाम निश्चित रुप से सकारात्मक होते हैं और धरातलीय हालातों को समझने का बेहतर अवसर आसानी से मिल जाता है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यह पहल सीधा ग्रामीणों से रुबरु होने का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ही माने तो इससे गांवों की समस्याओं से रुबरु होने का अवसर मिलता है तो आवश्यक निर्देश मौके पर ही जारी होने से समस्याओं का समाधान भी मौके पर ही हो पाता है। इसके माध्यम से सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के साथ ही स्थानीय समस्याओं यथा पानी, बिजली, स्कूल, स्वास्थ्य, सड़क और इसी तरह की सुविधाओं के धरातल पर हालात को समझने का अवसर मिल जाता है। मौके पर ही समस्याओं के समाधान को इस तरह से भी समझा जा सकता है कि सीकर के जाजोद गांव में ग्रामीण चौपाल के दौरान छात्राओं की मांग पर एक रात में विद्यालय में विज्ञान संकाय खोलने के आदेश जारी हो गए। यही नहीं अजमेर के कड़ेल गांव में ग्रामीणों से चर्चा के दौरान सामने आया तो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नयन के आदेश मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्काल जारी हो गए। यह तो उदाहरण मात्र है पर इससे साफ संदेश जाता है कि ग्रामीण विकास चौपाल कोई दिखावा या औपचारिकता ना होकर ग्रामीणों व आमजन को सीधे राहत पहुंचाने वाली पहल है। निश्चित रुप से यह सराहनीय पहल मानी जानी चाहिए।

एक खास बात यह है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यात्रा में जहां काफिले को सीमित किया गया हैं वहीं दौरों के दौरान ईवी वाहन का उपयोग कर ईंधन बचत पर जोर दिया जा रहा सरकारी स्कूल में ही रात्रि विश्राम से गांववासियों और आमजन में एक अपनेपन का संदेश जा रहा है। लगता है जैसे मुख्यमंत्री अपनो के बीच अपनेपन के साथ मिल रहे हैं, अपनी बात कह रहे हैं, उनकी बात सुन रहे हैं और आवश्यकता के अनुसार समाधान भी कर रहे हैं। इसके साथ ही स्थानीय सरकारी मशीनरी मुख्यमंत्री की रात्रि चौपाल को देखते हुए एक्टिव मोड पर आ जाती है और इसका परिणाम यह होता है कि बहुत सी समस्याओं का समाधान तो मुख्यमंत्री की रात्रि चौपाल से पहले ही हो जाता है। मुख्यमंत्री के दौरे और फिर रात्रि चौपाल की हो तो फिर किसी एक विभाग तक बात सीमित ना रहकर सभी आधारभूत सुविधाओं और समस्याओं के समाधान की हो जाती है और निश्चित रुप से समस्याओं का समाधान होता भी है। इस सबसे अलग ग्राम विकास चौपाल के माध्यम से मुख्यमंत्री और सरकार को लोगों की भावनाओं, क्षेत्र विशेष की समस्याओं, आवश्यकताओं को समझने का अवसर मिलता है वहीं स्थानीय प्रशासन, कानून व्यवस्था आदि का भी चर्चा से फीड बैक मिल जाता है। यह तो सभी जानते हैं कि सभी गांवों में मुख्यमंत्री की ग्रामीण चौपाल नहीं हो सकती पर ग्रामीण चौपाल के माध्यम से संवेदनशील सरकार का संदेश आमजन में जा रहा है। सबसे बड़ी बात यह कि विकसित राजस्थान का सपना पूरा करने में यह ग्रामीण विकास चौपाल अहम् भूमिका निभाएगी ही साथ ही सरकार की भावी योजनाएं करते समय फील्ड का यह व्यावहारिक अनुभव निश्चित रुप से कागजी नहीं रह पायेगा और इससे व्यावहारिक योजनाएं बनने के साथ ही विकास को नई गति मिल सकेगी। यह साफ हो जाना चाहिए कि यह किसी मुख्यमंत्री या राजनेता के महिमा मंडन का प्रयास ना होकर एक राजनेता से आमजन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने व आमजन के प्रति सीधे संवाद और जनभावना को समझने का बेहतरीन प्रयास माना जाना चाहिए। आज आमजन अपने जनप्रतिनिधि व मुख्यमंत्री से यही अपेक्षा रखती है कि वहां तक आमजन की सहज पहुंच हो सके। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इस पहल की सराहना की जानी चाहिए और संभव हो तो अन्य प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों व जनप्रतिनिधियों को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान : 13 किलोमीटर पैदल चलकर स्वास्थ्य टीम पहुंची सुदूर ग्राम बड़ेपल्ली, 227 ग्रामीणों की हुई स्वास्थ्य जांच

दंतेवाड़ा। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत दंतेवाड़ा जिले के दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार सक्रिय है। स्वास्थ्य विभाग की टीम बैलाडीला के पहाड़ी क्षेत्र में स्थित सुदूर ग्राम बड़ेपल्ली पहुंची, जहां पहुंचने के लिए टीम को लगभग 13 किलोमीटर का कठिन पहाड़ी मार्ग पैदल तय करना पड़ा। घने जंगलों, ऊबड़-खाबड़ रास्तों और दुर्गम पहाड़ियों को पार करते हुए स्वास्थ्य कर्मियों ने गांव तक पहुंचकर ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराईं। अभियान का उद्देश्य ऐसे पहुंचविहीन क्षेत्रों में निवासरत लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाओं और शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, जहां सामान्य परिस्थितियों में चिकित्सा सेवाएं आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। स्वास्थ्य शिविर के दौरान ग्राम बड़ेपल्ली में कुल 227 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में लोगों की विभिन्न प्रकार की आवश्यक जांचें की गईं, जिनमें मलेरिया, सिकल सेल, हीमोग्लोबिन, मधुमेह (शुगर), रक्तचाप सहित अन्य आवश्यक लैब परीक्षण शामिल रहे। जांच के माध्यम से कई मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति का आकलन कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया। गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच के साथ बच्चों का टीकाकरण भी किया गया। जांच के दौरान एक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला की पहचान की गई, जिसे बेहतर उपचार एवं सुरक्षित प्रसव के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहीं हाइपरटेंशन और डायबिटीज से पीड़ित 12 मरीजों को आगे के उपचार हेतु उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी जरूरतमंद ग्रामीणों को निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही ग्रामीणों को स्वास्थ्य शिक्षा, पोषण, स्वच्छता और विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई।

शिविर के दौरान आयुष्मान भारत योजना के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं एवं आयुष्मान कार्ड के लाभों की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों को शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करते हुए सुरक्षित मातृत्व के महत्व को समझाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के माध्यम से जिले के सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। अभियान के तहत गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों की समय पर पहचान कर उन्हें जिला अस्पताल तथा आवश्यकता पड़ने पर रायपुर स्थित उच्च चिकित्सा संस्थानों तक उपचार के लिए भेजा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार ऐसे गांवों तक पहुंच रही हैं, जहां पहले स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सीमित थी। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान न केवल ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अभियान से दूरस्थ अंचलों के लोगों में विश्वास बढ़ा है और उन्हें घर के समीप स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलरहा है।

तकनीकी शिक्षा से संवरेगा भविष्य

बस्तर संभाग के शासकीय आईटीआई में कोपा इलेक्ट्रिशियन और फिटर सहित विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश प्रारंभ

जगदलपुर। बस्तर अंचल के युवाओं के लिए तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में एक सुनहरा अवसर सामने आया है। बस्तर संभाग के सभी 41 शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र के लिए विभिन्न रोजगारोन्मुखी व्यवसायों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से छात्र कोपा, मैकेनिक डीजल, इलेक्ट्रिशियन, फिटर और प्लंबर जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी ट्रेडों में प्रवेश पा सकते हैं, जो आधुनिक औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को सीधे रोजगार अथवा स्व-रोजगार से जोड़ने में बेहद मददगार साबित होते हैं। संयुक्त संचालक तकनीकी शिक्षा (प्रशिक्षण) बस्तर संभाग से मिली जानकारी के अनुसार इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी विभाग की आधिकारिक विभागीय वेबसाइट के माध्यम से अपना ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित कर सकते हैं। आवेदन की यह प्रक्रिया 29 मई से प्रारंभ हो चुकी है और आगामी 15 जून को रात्रि 11.59 बजे तक खुली रहेगी। संस्थान में उपलब्ध सीटों की विस्तृत और श्रेणीवार जानकारी विभागीय वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। इसके अतिरिक्त यदि किसी अभ्यर्थी को आवेदन करने में कोई कठिनाई आती है या वे पाठ्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं, तो वे सीधे संबंधित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही पोर्टल में प्रदर्शित हेल्प लाइन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

सुशासन तिहार-2026 :सुशासन तिहार के जनसमस्या निवारण शिविर में 195 आवेदन प्राप्त,दिव्यांगजनों को वितरित किए गए सहायक उपकरण

दंतेवाड़ा। सुशासन तिहार के अंतर्गत विकासखंड कुआकोंडा के ग्राम जबेली में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी समस्याओं एवं मांगों को प्रशासन के समक्ष रखा। शिविर के दौरान कुल 195 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके त्वरित निराकरण एवं आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। शिविर में आमजन को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। इस दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण एवं सुविधा के लिए सहायक उपकरणों का वितरण भी किया गया। शिविर में वितरित किए गए उपकरणों में 8 श्रवण यंत्र, 8 छड़ियां, 2 जोड़ी बैसाखियां, 1 सामान्य ट्राइसाइकिल तथा 4 बैटरी चालित ट्राईसाइकिल शामिल हैं। सहायक उपकरण प्राप्त कर दिव्यांग हितग्राहियों ने प्रसन्नता व्यक्त की और शासन-प्रशासन के प्रति आभार जताया। सुशासन तिहार के तहत आयोजित ऐसे शिविरों का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान करना तथा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। ग्रामीणों ने शिविर को उपयोगी एवं जनहितकारी पहल बताते हुए इसकी सराहना की।

दूध नदी स्वच्छता अभियान में जुटे जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन और नगरवासी

कांकेर। कांकेर नगर की जीवनदायिनी दूध नदी का संरक्षण एवं सफाई करने के उद्देश्य से आज सुबह स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तथा नगर के स्वयंसेवी संगठनों व नगरवासियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान पुराने बस स्टैण्ड के पीछे दूध नदी के अपवाह क्षेत्र में संयुक्त रूप से सघन स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया, जिसमें कांकेर विधायक आशाराम नेताम, नगर पालिका कांकेर के अध्यक्ष अरूण कौशिक सहित कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर एवं विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों के सदस्यों ने हिस्सा लेकर साफ-सफाई की। स्वच्छता अभियान के दौरान नदी के किनारों पर डंप किए गए कचरों को हटाया गया तथा खरपतवारों को निकाला गया। विधायक नेताम, कलेक्टर सहित जिला पंचायत के सीईओ हरेश मण्डावी, एसडीएम कांकेर अरूण वर्मा, विभिन्न वार्डों के पार्षदगणों ने भी हिस्सा लेकर सुबह 6 से 8 बजे तक स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान विधायक ने नदी के दोनों किनारों पर मानसून के आगमन पर नारियल एवं आम के पौधे रोपित करने तथा टो-वॉल निर्मित करने के निर्देश दिए। साथ ही नदी के तट की दोनों ओर अतिक्रमण हटाकर पाथ-वे निर्माण करने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष को कहा। उन्होंने नगरवासियों से प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को अभियान चलाकर दूध नदी को स्वच्छ और निर्मल बनाने की अपील की। साथ ही नागरिकों को निर्धारित स्थल पर ही कचरों को डंप करने की बात कही। नगर के बीचों-बीच बहने वाली दूध नदी को स्वच्छ करने के साथ-साथ सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश एसडीएम कांकेर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को कलेक्टर क्षीरसागर ने दिए।

खेल-खेल में शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल आंगनबाड़ी के बच्चों के चेहरों पर तितली संस्था ने बिखेरी मुस्कान

जगदलपुर। आंगनबाड़ी केंद्र में आम दिनों से बेहद अलग, रचनात्मक और ऊर्जा से भरपूर रहा। आंगनबाड़ी केंद्रों के छोटे-छोटे बच्चों के साथ मिलकर स्वयंसेवी संगठन तितली संस्था की टीम ने कुछ ऐसी अनूठी और व्यावहारिक गतिविधियाँ कीं, जिसने न केवल बच्चों के चेहरों पर बड़ी सी मुस्कान बिखेर दी, बल्कि उनके मानसिक विकास और पर्यावरण सुरक्षा की एक मजबूत नींव भी रख दी। संस्था द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उददेश्य खेल-खेल में शिक्षा और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देना था, ताकि बच्चे किताबी ज्ञान के बोझ से दूर रहकर कुछ नया और स्थायी सीख सकें। इसी सोच के साथ कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों को कागज से कलाकारी की सुंदर विद्या सिखाई गई। तितली संस्था के सदस्यों के कुशल मार्गदर्शन में बच्चों ने रंग-बिरंगे कागजों को मोड़कर खूबसूरत खिलौने बनाना सीखा। इस गतिविधि ने जहाँ एक ओर बच्चों की मोटर स्किल्स और उनकी रचनात्मकता को नए पंख दिए, वहीं अपने खुद के हाथों से खिलौने बनते देख बच्चों का उत्साह और खुशी भी सातवें आसमान पर नजर आई। कागज की इस कलाकारी के बाद बच्चों को गणित की एक बेहद अनोखी और व्यावहारिक दुनिया से रूबरू कराया गया। पारंपरिक और उबाऊ रटने की प्रणाली को पीछे छोड़ते हुए बच्चों ने अपने आस-पास के वातावरण में मौजूद प्राकृतिक चीजों, जैसे सूखी पत्तियों और छोटे-छोटे कंकड़ों की मदद से गिनती सीखी। खेल-खेल में सीखी गई इस गिनती का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह व्यावहारिक तरीका बच्चों के दिमाग में संख्याओं की समझ को हमेशा के लिए आसान और स्थायी बना देता है। शिक्षा और रचनात्मकता के इस सफर को प्रकृति से जोड़ते हुए, इस खास दिन पर फ्राइडे प्लांटेशन अभियान चलाया गया। इसके तहत संस्था के सदस्यों ने बच्चों को बेहद सरल और रोचक भाषा में पेड़-पौधों तथा पर्यावरण का महत्व समझाया। इसके बाद बच्चों ने खुद अपने नन्हे-नन्हे हाथों से पौधरोपण किया और बड़े ही चाव से उन पौधों की देखभाल करने का संकल्प भी लिया। इस सफल आयोजन पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए तितली संस्था के प्रतिनिधि ने कहा कि आंगनबाड़ी के बच्चों का मानसिक विकास खेल और व्यावहारिक अनुभवों से सबसे तेज होता है। जब बच्चे बचपन से ही प्रकृति से जुड़ेंगे, तभी वे आगे चलकर पर्यावरण के सजग रक्षक बनेंगे। आज बच्चों के चेहरों की खिलखिलाती मुस्कान ही इस पूरी मुहिम की सबसे बड़ी सफलता है। कुल मिलाकर, यह आयोजन इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण बन गया है कि कैसे सही मार्गदर्शन और रचनात्मक सोच के जरिए जमीनी स्तर पर बच्चों के भविष्य और पर्यावरण दोनों को एक साथ सुरक्षित किया जा सकता है।

लीगल एड डिफेंस कौंसिलों का निगरानी व सलाह समिति का मासिक बैठक हुआ संपन्न

कोंडागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिगरी की अध्यक्षता में लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम के न्याय रक्षकों का निगरानी व सलाह समिति की समीक्षात्मक बैठक हुई संपन्न। उक्त बैठक में 'सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गायत्री साय एवं कार्यालय लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम के न्याय रक्षक' उपस्थित रहे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विधिक सहायता प्रणाली की प्रभावशीलता की समीक्षा करना, प्रचलित मामलों की निगरानी करना तथा जरूरतमंदों तक निशुल्क एवं गुणवत्तापूर्वक विधिक सहायता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सुझाव व निर्देश प्रदान करना था। बैठक के दौरान प्रधान न्यायाधीश ने डिफेंस कौंसिल के न्याय रक्षकों को विधिक सहायता प्राप्त करने की पात्रता के शर्तों, लीगल एड डिफेंस कौंसिल कार्यालय की भूमिका व दायित्वों के बेहतर निर्वहन के संबंध में तथा अभिक्षाधीन बंदियों के प्रकरण में प्राथमिकता के साथ पैरवी करने व प्रतिमाह जेल निरीक्षण कर बंदियों को विधिक सहायता उपलब्ध करने के सबंध में चर्चा किया गया। साथ ही समयबद्ध एवं संवेदनशील रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि विधिक सहायता प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। साथ ही न्याय रक्षकों को निर्देश दिया की विधिक सहायता प्राप्त कर्ताओं के साथ सहानुभूति पूर्वक व्यवहार करने और उन्हें शीघ्र न्याय प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध रहे। अंत में सभी न्याय रक्षकों ने अपनी-अपनी सुझाव रखे तथा ऐसी समीक्षात्मक बैठक नियमित रूप से आयोजित करने हेतु प्रेरित किया।

जिले में खाद-बीज का पर्याप्त भण्डारण : कृषि वैज्ञानिकों की अनुशंसा पर निर्धारित मात्रा में किसानों को वितरित किया जा रहा उर्वरक

कांकेर। 'खाद-बीज आपूर्ति के लिए सीएम के नाम पर किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन' और 'खाद-बीज संकट पर संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा आवेदन' नामक शीर्षक से प्रकाशित खबर के संबंध में जानकारी देते हुए कृषि विभाग के उप संचालक जितेन्द्र कोमरा ने बताया कि खरीफ मौसम के लिए जिले के किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से में 12021 क्विंटल बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में समितियों में 4558.20 क्विंटल बीज का भण्डारण किया जा चुका है तथा 03 हजार क्विंटल बीज उपलब्ध है। जिले में उर्वरक वितरण के लिए 64,560 मेट्रिक टन का लक्ष्य रखा गया है तथा 33,368.527 मेट्रिक टन खाद का भण्डारण किया गया है, जिसमें सहकारी समितियों में 23061.174 मेट्रिक टन तथा निजी विक्रय केन्द्रों में 10307.35 मेट्रिक टन उर्वरक भण्डारित है। सहकारी समितियों एवं निजी विक्रय केन्द्रों के माध्यम से किसानों को उर्वरक वितरण किया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों की अनुशंसा के अनुसार प्रति एकड़ एक बोरी यूरिया, एक बोरी डीएपी एवं एक बोरी एमओपी वितरित किया जा रहा है। किसानों को उचित मूल्य पर खाद बीज उपलब्ध कराने के लिए विक्रय केन्द्रों पर लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

सामान्य सभा की बैठक में विभागीय कार्यों,बजट उपयोग और विकास योजनाओं की हुई विस्तृत समीक्षा

दंतेवाड़ा। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों की योजनाओं, बजट उपयोग, विकास कार्यों की प्रगति तथा आगामी कार्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, जल संसाधन, वन, लोक निर्माण, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग से वर्ष 2025-26 में प्राप्त बजट, स्वीकृत कार्यों, व्यय की स्थिति एवं भौतिक उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग के अंतर्गत नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व विद्यालय भवनों की स्थिति, जर्जर एवं भवन विहीन स्कूलों, आवश्यक मरम्मत कार्यों तथा विद्यार्थियों को समय पर पाठ्यपुस्तक उपलब्ध कराने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। वन विभाग से वर्ष 2025-26 में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य तथा पूर्व वर्षों के बोनस वितरण की स्थिति की जानकारी ली गई। वहीं आर्सेलर मित्तल कंपनी लिमिटेड द्वारा सीएसआर मद से संचालित गतिविधियों एवं विकास कार्यों की समीक्षा भी बैठक में की गई। जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने कहा कि सीएसआर निधि का उपयोग स्थानीय आवश्यकताओं और पंचायतों की प्राथमिकताओं के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि कंपनियां केवल स्वयं एजेंसी बनकर कार्य करने के बजाय पंचायतों के माध्यम से भी विकास कार्यों को क्रियान्वित करें, जिससे स्थानीय सहभागिता बढ़े और योजनाओं का लाभ सीधे ग्रामीणों तक पहुंचे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी विभागों को स्वीकृत कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, बजट का प्रभावी उपयोग तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय समन्वय और सतत समीक्षा से विकास कार्यों में गति आएगी तथा जिले के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी। बैठक के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम सहित जिला पंचायत के सदस्यगण एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

आईटीबीपी ने शुरू की साइकिल मरम्मत कार्यशाला प्रशिक्षण के बाद मिलेगी साइकिल और रिपेयर किट

कोण्डागांव। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की 41वीं वाहिनी ने अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्रामीणों को कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़ने की पहल करते हुए कोंडागांव स्थित सामरिक मुख्यालय में दो सप्ताह की निःशुल्क साइकिल मरम्मत कार्यशाला शुरू की है। प्रशिक्षण पूरी तरह आईटीबीपी के संसाधनों से संचालित किया जा रहा है। कार्यशाला में ग्रामीणों को साइकिल रखरखाव और मरम्मत का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रतिभागियों को साइकिल के साथ संपूर्ण रिपेयर किट भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे स्वयं साइकिलों का रखरखाव कर सकें और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। आईटीबीपी के अनुसार इस पहल का उद्देश्य अबूझमाड़ के ग्रामीणों में तकनीकी कौशल विकसित करना, आवागमन की सुविधा बढ़ाना तथा साइकिल मरम्मत के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। साथ ही जनसंपर्क गतिविधियों के जरिए स्थानीय समुदाय के साथ संबंधों को और मजबूत करना भी इसका लक्ष्य है। 41वीं वाहिनी के कमांडेंट बेनुधर नायक ने कहा कि यह कार्यक्रम स्थानीय समुदायों को कौशल प्रशिक्षण के साथ आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण और उपकरण दोनों उपलब्ध कराकर ग्रामीणों की आजीविका के अवसर बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

आईटीबीपी को उम्मीद है कि इस पहल से अबूझमाड़ क्षेत्र के अनेक परिवार लाभान्वित होंगे। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और छोटे व्यापारिक कार्यों के लिए आवागमन आसान होगा तथा स्थानीय स्तर पर साइकिल मरम्मत सेवाओं के नए अवसर विकसित होंगे।

पुनर्वासित युवाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य पहल

महारानी अस्पताल में नसबंदी खोलने हेतु वृहद ऑपरेशन शिविर आयोजित

यूरोलॉजिकल सोसायटी वेस्टर्न जोन एवं एम्स रायपुर के यूरोलाजिस्ट दल के संयुक्त तत्वावधान में चैरिटेबल कैंप में विशेषज्ञों की मिली सेवाएं

जगदलपुर। समाज की मुख्यधारा में शामिल हो चुके बस्तर के पुनर्वासित युवाओं के सामाजिक पुनर्स्थापन और बेहतर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महारानी अस्पताल जगदलपुर में जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के सहयोग से शनिवार को विशेष ऑपरेशन शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में यूरोलॉजिकल सोसायटी वेस्टर्न जोन तथा एम्स रायपुर के यूरोलॉजिस्ट दल द्वारा विशेष चैरिटेबल कैंप के तहत ईच्छुक पुनर्वासित युवाओं का नसबंदी खोलने (रिकैनालाइजेशन) संबंधी स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार की प्रक्रिया शुरू की गई। रिकैनालाइजेशन शिविर में 28 युवा पुनर्वासितों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उनकी विस्तृत जांच के बाद नसबंदी खोलने के ऑपरेशन की प्रक्रिया संपादित की जाएगी।

इस पहल से लाभान्वित होने वाले युवा पुनर्वासित अपने पारिवारिक और सामाजिक जीवन में पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित कर सकेंगे तथा समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक जीवन व्यतीत करने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। इस अवसर पर इन पुनर्वासित युवाओं का उत्साहवर्धन करने के लिए कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह, आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी., कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं अधिकारियों ने उक्त युवाओं से संवाद कर उन्हें सकारात्मक जीवन की ओर अग्रसर रहने तथा शासन की पुनर्वास योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर अधिकारियों ने वेस्टर्न जोन यूरोलाजिकल सोसाइटी तथा एम्स रायपुर के विशेषज्ञों को स्मृति चिह्न प्रदान कर उन्हें बस्तर में पुनः सेवायें देने उत्साहित किया। उक्त ऑपरेशन शिविर के सफल आयोजन में स्वास्थ्य विभाग, जिला अस्पताल के चिकित्सकों एवं अन्य चिकित्सा कर्मचारियों ने विशेष सक्रियता और संवेदनशीलता के साथ सहभागिता निभाई। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय बसाक, सिविल सर्जन डॉ संजय प्रसाद सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयास से भवंरखोह को मिली करोड़ों रुपए की लागत से पक्की सड़क की सौगात, पूजा अर्चना कर कार्य को किया गया प्रारंभ

सूरजपुर संवाददाता। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अन्तर्गत ओड़गी ब्लांक के विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों को वित्तीय वर्ष 2025-26 में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयास से स्वीकृति मिली थी। जिन सड़कों का वर्चुअल भूमिपूजन 17 अप्रैल 2026 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया था। इसी क्रम में ओड़गी ब्लांक अन्तर्गत गांव भवंरखोह में पक्की सड़क निर्माण कार्य की सौगात मिली है।जो आनंदपुर से होते हुए भवंरखोह सेमरखाड़ मार्ग को जोड़ेगा। जिसकी कुल लम्बाई 4.65 किलोमीटर है। जो लगभग 4 करोड़ 93 लाख की लागत से बनेगा। सड़क निर्माण से पंडों जनजाति वाले पारा सेमरखाड़,गेरूहाडाड़,पंडोंपारा, तेलाइडाड व स्कूल पारा को आवागमन को आसान बनाकर रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, और बाज़ार तक पहुंच सुनिश्चित करेंगी।इसके लिए क्षेत्रीय विधायिका व प्रदेश के मुखिया का ग्रामीणों ने आभार जताया है। भाजपा युवा मोर्चा मंडल महामंत्री प्रियंशु यादव ने कहा कि यह योजना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह योजना गांव-गांव तक विकास की राह खोल रही है। इस मौके सरपंच रामप्रसाद , दिलीप, लालचंद , पारस, देवधारी, विजय, समेत भारी संख्या में आम जनता उपस्थित रहें।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर (स्वशासी) महाविद्यालय अंबिकापुर में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

अम्बिकापुर। संभाग के सबसे बड़े एवं एकमात्र स्वशासी महाविद्यालय राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु स्नातक, स्नातकोत्तर एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया 1 जून 2026 से प्रारंभ कर दी गई है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से समय-सीमा के भीतर प्रवेश संबंधी समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करने का आग्रह किया गया है। महाविद्यालय द्वारा प्रवेश संबंधी सूचना एवं आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। महाविद्यालय में कला, विज्ञान, वाणिज्य, कंप्यूटर, विधि सहित विभिन्न विषयों में अध्ययन की उत्कृष्ट व्यवस्था उपलब्ध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (हश्क्क) के अनुरूप विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार तथा कौशल विकास के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। महाविद्यालय में आधुनिक प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल शिक्षण संसाधन तथा अनुभवी प्राध्यापकों का मार्गदर्शन उपलब्ध है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार सिन्हा ने विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा है कि वे समय पर आवेदन कर अपने इच्छित पाठ्यक्रम में प्रवेश सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण प्रदान करते हुए उन्हें रोजगारोन्मुख एवं समाजोपयोगी शिक्षा उपलब्ध कराना है।प्रवेश हेतु इच्छुक विद्यार्थी महाविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश संबंधी दिशा-निर्देशों का अवलोकन कर सकते हैं तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश, मेरिट सूची, दस्तावेज सत्यापन एवं शुल्क जमा करने संबंधी समस्त जानकारी महाविद्यालय की वेबसाइट एवं महाविद्यालय के सूचना पट्ट पर समय-समय पर प्रदर्शित की जाएगी। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अनुरोध किया है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें तथा केवल महाविद्यालय द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं का ही पालन करें। अभी वर्तमान में सभी संकाय के स्नातक प्रथम सेमेस्टर के प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है एवं जैसे-जैसे स्वशासी कक्षाओं के परीक्षा परिणाम जारी होंगे वैसे-वैसे अन्य कक्षाओं के भी प्रवेश संबंधी दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बिलासपुर मंडल की सार्थक पहल वृक्षारोपण से लेकर डिजिटल जागरूकता तक विविध आयोजन

■ प्रश्नोत्तरी, निबंध और चित्रकला के माध्यम से विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता तथा जन-जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना तथा जनभागीदारी के माध्यम से सतत एवं स्वच्छ भविष्य की दिशा में सार्थक पहल करना है। इसी क्रम में 29 एवं 30 मई 2026 को मंडल के सभी कार्यालयों, रेलवे कॉलोनियों, विद्यालयों तथा आसपास के क्षेत्रों में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंडल के सभी विभागों द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए बड़ी संख्या में पौधरोपण किया गया। साथ ही लगाए गए पौधों के संरक्षण, नियमित देखभाल एवं समुचित रखरखाव सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि यह पहल केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण में सार्थक योगदान दे सके। मंडल के रेलवे विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन विषय पर प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन तथा चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरणीय चुनौतियों, संरक्षण उपायों एवं सतत विकास के प्रति अपनी समझ और जागरूकता का

प्रभावशाली प्रदर्शन किया साथ ही उन्होंने पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संकल्प भी लिया। मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के अंतर्गत पर्यावरण-अनुकूल एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए यात्रियों को जागरूक किया गया। इसके साथ ही प्लास्टिक के विकल्प के रूप में कपड़े एवं जूट के थैलों के उपयोग को प्रोत्साहित करते हुए यात्रियों को पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। यांत्रिक विभाग द्वारा कोचिंग डिपो बिलासपुर में विभिन्न यात्री गाड़ियों के बायोटॉयलेटों का निरीक्षण कर उनकी सुचारु कार्यप्रणाली सुनिश्चित की गई । डिजिटल एवं पेपरलेस कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा स्टेशनों और प्लेटफॉर्मों पर यात्रियों को रेलवन ऐप डाउनलोड करने, ऑनलाइन टिकट बुकिंग तथा डिजिटल भुगतान संबंधी जानकारी एवं सहायता प्रदान की जा रही है। इस पहल से कागज के उपयोग में कमी लाने तथा डिजिटल सेवाओं को प्रोत्साहित करने में सहायता मिल रही है। इसके अतिरिक्त यात्रियों एवं आम नागरिकों को ई-वेस्टके वैज्ञानिक संग्रहण, सुरक्षित निस्तारण एवं पुनर्चक्रण के महत्व के संबंध में भी जागरूक किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण प्रदूषण को कम करने और संसाधनों के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने में मदद मिल सके। मंडल रेल प्रशासन सभी यात्रियों एवं आमजनों से पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता तथा संसाधनों के बेहतर उपयोग को अपनाकर एक हरित, स्वच्छ एवं सतत भविष्य के निर्माण में सक्रिय सहयोग करने की अपील करता है।

एसईसीएल मुख्यालय के 13 कर्मियों को भावभीनी विदाई दी गयी

बिलासपुर। 31.05.2026 को एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से सेवानिवृत्त होने वाले 13 कर्मियों को मुख्यालय बिलासपुर स्थित सीएमडी कक्ष में उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पहार से सम्मानित कर समस्त भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी। मुख्यालय प्रशासनिक भवन के कान्फ्रेन्स हाल में दिनांक 30.05.2025 को निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री एन फ्रैंकलिन जयकुमार के मुख्य आतिथ्य, निदेशक (वित्त) श्री डारला सुनील कुमार एवं निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र, विभीन्न विभागाध्यक्षों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में श्री सक्तिवेल महाप्रबंधक (ई/टी) ई/टी विभाग, श्री एके पटनायक महाप्रबंधक

(सिविल) सायडिंग विभाग, श्री आरके भारत वरिष्ठ प्रबंधक (सर्वे) एमसीआर विभाग, श्री अजय दत्ता चौधरी वरि.तक.निरीक्षक ग्रेड ए-1 गुणवत्ता विभाग, श्रीमती विनीता मसीह मेट्रन ग्रेड ए-1 इंदिरा विहार डिस्पेंसरी, श्री प्रकाश कुमार द्विवेदी सुरक्षा उप निरीक्षक सुरक्षा विभाग, श्री सुनील नायर सहायक सुपरवाईजर निदे. (वित्त) सचिवालय, श्री नारायण आचार्जी सहायक सुपरवाइजर ग्रेड-सी परिवहन विभाग, श्री बजरंग चौहान प्यून ग्रेड-एच पीएफ-पेंशन विभाग, श्री चैतराम कुर्मी इलेक्ट्रीशियन वसंत विहार सब स्टेशन, श्रीमती अनारकली बंजारे केटेगरी-डुडुडु सामग्री प्रबंधन विभाग को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गयी, वहीं श्री बी. एन. झा महाप्रबंधक (खनन) निदेशक तकनीकी संचालन सचिवालय, श्री मनोज मिश्रा वरिष्ठ प्रबंधक (सर्वे) एसईसीएल भोपाल कार्यालय भी दिनांक 31.05.2026 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं ।

भकुरा में 'मन की बात' 134वां एपिसोड श्रवण; नि:शुल्क चिकित्सा शिविर और जन-चौपाल का आयोजन किया.....

■ जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया की उपस्थिति में ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री मोदी का संदेश सुना, स्वास्थ्य जांच और समस्याओं के समाधान के प्रति आश्वासन दिया गया

अम्बिकापुर। जिला पंचायत क्षेत्र क्र. 01 अन्तर्गत ग्राम पंचायत भकुरा के पंचायत भवन में आज आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया मुख्य अतिथि रहीं। इस अवसर पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श और उपचार प्रदान किया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। साथ ही कार्यक्रम के दौरान जन-चौपाल का आयोजन कर ग्राम के लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और उनके समाधान हेतु आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया गया। इस दौरान दिव्या सिंह सिसोदिया ने कहा कि आज 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण कर हमे अपने देश के विकास और सामाजिक जिम्मेदारियों की प्रेरणा मिली। हमारे स्वास्थ्य शिविर और जन-चौपाल का उद्देश्य ग्रामीणों तक जरूरी सेवाएं पहुंचाना और उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। मैं आश्वस्त करती हूँ कि मिली सुझावों पर शीघ्रता से कार्य किया जाएगा।इस दौरान सरपंच श्याम पैंकरा, सचिव तुलसी राम , अनूप दास, युवा मोर्चा परसा मंडल रोहन मंडल, मंगल साय तथा ग्रामवासी उपस्थित थे ।

17 लाख की ठगी से खुला 8 करोड़ का साइबर खेल, 4 आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। शेयर ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का लालच देकर लोगों को ठगने वाले एक बड़े साइबर नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए बिलासपुर रेंज साइबर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में ऐसे चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं, जिनसे देश के कई राज्यों में फैले करोड़ों रुपये के साइबर फ्रॉड से जुड़े तार उजागर हुए हैं। जांच में आरोपियों के बैंक खातों से लगभग 8 करोड़ रुपये की संदिग्ध साइबर ठगी राशि जुड़े होने की जानकारी मिली है। मामले की शुरुआत बिलासपुर के नर्मदा नगर कॉलोनी निवासी एक महिला की शिकायत से हुई। महिला को शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देकर अलग-अलग तिथियों में कुल 17 लाख 21 हजार 100 रुपये की ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाया गया। शिकायत मिलते ही रेंज साइबर थाना बिलासपुर की टीम सक्रिय हुई और तकनीकी साक्ष्यों, बैंकिंग ट्रांजेक्शन तथा डिजिटल ट्रेल की गहन जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने मुकेश कुमार दास (29 वर्ष) निवासी समस्तीपुर, बिहार हाल निवासी रायपुर, केशव साव निवासी रायगढ़, संदीप कुमार चंद्रा उर्फ विक्की निवासी सक्ती तथा शिशिर राठौर (35 वर्ष) निवासी सक्ती हाल निवासी रायपुर को गिरफ्तार किया। पूछताछ और बैंक खातों की जांच में सामने आया कि संदीप कुमार चंद्रा के खाते के विरुद्ध गुजरात, तेलंगाना, कर्नाटक और दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में 5 साइबर शिकायतें दर्ज हैं।

सड़को की वस्तुस्थिति जानने कलेक्टर का सूरजपुर, प्रेमनगर व रामानुजनगर क्षेत्र में सुबह-सुबह सघन दौरा

■ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं लोक निर्माण विभाग के निर्माण कार्यों का किया सघन निरीक्षण

■ पीएमजीएसवाई व लोक निर्माण विभाग के निर्माणाधीन मार्गों का किया गुणवत्ता परीक्षण

सूरजपुर संवाददाता। जिले में सड़क निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति और गुणवत्ता का जायजा लेने कलेक्टर श्रीमती रेना जमील स्वयं तड़के सुबह 06 बजे मैदान में उतरीं। लोक निर्माण विभाग एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अभियंताओं एवं अमले के साथ उन्होंने सूरजपुर, प्रेमनगर एवं रामानुजनगर क्षेत्र की सड़कों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माणाधीन सड़कों में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सड़क मार्ग की चौड़ाई, ढलान एवं एलाइनमेंट का बारीकी से अवलोकन किया तथा सड़क के कॉम्पैक्शन की जांच की। सड़क की प्रत्येक परत की मोटाई तय मानक के अनुरूप है अथवा नहीं, यह सुनिश्चित करने हेतु मौके पर सड़क की खोदाई कराकर भी जांच की गई। साथ ही जल निकासी प्रबंधन पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निर्माण के प्रत्येक चरण में गुणवत्ता, सुरक्षा एवं तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने हेतु अभियंताओं, ठेकेदारों एवं

उपस्थित अन्य संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को सुगम एवं सुदृढ़ सड़क संपर्क उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बेहतर सड़कों से न केवल आवागमन सुगम होता है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उपज के विपणन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। उन्होंने निर्माणाधीन मार्गों की गुणवत्ता, प्रगति एवं समय-सीमा की बारीकी से समीक्षा करते हुए निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं तथा निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

बिलासपुर मंडल द्वारा कर्मचारियों के बेहतर आराम स्वास्थ्य एवं मानसिक ताजगी हेतु विशेष पहल.....

■ टीटीई रेस्ट हाउस बिलासपुर में फुट मसाजर, इंडस्ट्रियल आरओ मशीन, सीसीटीवी जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल द्वारा कर्मचारियों के कल्याण एवं बेहतर कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार सकारात्मक पहल की जा रही है। इसी क्रम में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में टीटीई रेस्ट हाउस, बिलासपुर में कर्मचारियों की सुविधा एवं आराम को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक फुट मसाजर, शुद्ध पेयजल हेतु इंडस्ट्रियल आरओ मशीन तथा बेहतर सुरक्षा व्यवस्था हेतु सीसीटीवी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। रेलवे प्रशासन द्वारा ट्रेनों में ड्यूटी के उपरांत रेस्ट हाउस में ठहरने वाले टिकट जांच कर्मचारियों (टीटीई स्टाफ) को बेहतर विश्राम एवं आरामदायक वातावरण प्रदान करने हेतु चरणबद्ध तरीके से विभिन्न आधुनिक सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं। नई सुविधाओं के माध्यम से कर्मचारियों को शारीरिक थकान से राहत मिलने के साथ-साथ मानसिक तनाव कम करने एवं उन्हें तरोताजा एवं ऊर्जावान बनाए रखने में सहायता मिलेगी। रेलवे प्रशासन का उद्देश्य कर्मचारियों को बेहतर विश्राम सुविधा उपलब्ध कराकर उनकी कार्यक्षमता, सेवा गुणवत्ता एवं कार्य संतुष्टि में सकारात्मक वृद्धि करना है। कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं मानसिक ताजगी को प्राथमिकता देते हुए रेस्ट हाउस को अधिक सुविधायुक्त एवं

आधुनिक बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि टीटीई रेस्ट हाउस में पूर्व में भी कई सुधारात्मक कार्य किए जा चुके हैं। रेस्ट हाउस का नवीनीकरण, बेहतर खानपान व्यवस्था हेतु नए उटेन्सिल की उपलब्धता, शुद्ध पेयजल व्यवस्था, स्वच्छ एवं सुखद वातावरण हेतु हरित सज्जा एवं गमलों की व्यवस्था जैसे अनेक कार्य सफलतापूर्वक किए गए हैं। अब इन अत्याधुनिक सुविधाओं के जुड़ने से कर्मचारियों को और अधिक आरामदायक एवं स्वास्थ्यवर्धक वातावरण प्राप्त होगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने कहा कि, रेलवे कर्मचारियों की कार्य परिस्थितियाँ चुनौतीपूर्ण होती हैं तथा टिकट जांच कर्मचारी लंबे समय तक यात्रियों की सेवा में निरंतर सक्रिय रहते हैं। ऐसे में उनके बेहतर आराम, स्वास्थ्य एवं मानसिक ताजगी का विशेष ध्यान रखना हमारी प्राथमिकता है। टीटीई रेस्ट हाउस में उपलब्ध कराई गई यह आधुनिक सुविधा कर्मचारियों को ड्यूटी उपरांत राहत एवं नई ऊर्जा प्रदान करेगी, जिससे वे और अधिक उत्साह एवं सकारात्मकता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकेंगे। रेलवे प्रशासन भविष्य में भी कर्मचारियों के कल्याण, आराम एवं सुविधाओं के विस्तार हेतु निरंतर प्रयासरत रहेगा।

चांपा स्टेशन में चौथी रेल लाइन को जोड़ने हेतु प्रस्तावित नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य आगामी आदेश तक स्थगित

■ 07 से 19 जून, 2026 तक रद्द की गई सभी ट्रेनें को रिस्टोर किया गया अब अपने निर्धारित समयानुसार चलेंगी

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रेल अधोसंरचना के विकास एवं परिचालन क्षमता में वृद्धि के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में बिलासपुर झारसुगुड़ा सेक्शन के चांपा स्टेशन में चौथी रेल लाइन को जोड़ने हेतु दिनांक 07 जून से 19 जून, 2026 तक नॉन-इंटरलॉकिंगकार्य प्रस्तावित था। यात्रियों की सुविधा एवं उनकी यात्रा को सुगम बनाए रखने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा उक्त नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य को आगामी आदेश तक स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। फ्लस्वरूप, इस कार्य के कारण पूर्व में दिनांक 07 जून से 19 जून, 2026 के मध्य रद्द की गई सभी यात्री एवं एक्सप्रेस गाड़ियां रिस्टोर किया गया अब अपने निर्धारित मार्ग, समय एवं तिथियों पर सामान्य रूप से संचालित होंगी। रेल प्रशासन यात्रियों को होने वाली असुविधा को न्यूनतम रखने तथा सुरक्षित एवं बेहतर रेल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सतत प्रयासरत है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा से पूर्व संबंधित ट्रेन की अद्यतन जानकारी रेलवे की अधिकृत पूछताछ सेवाओं अथवा वेबसाइट से प्राप्त कर लें।

वास्तु शास्त्र में मटका रखने को लेकर कुछ विशेष नियम

गर्मियों में मिट्टी के मटके का पानी न सिर्फ ठंडक देता है, बल्कि सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। यह शरीर की गर्मी को संतुलित करने और पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है। भारतीय परंपरा में मटके का उपयोग सदियों से पानी को शुद्ध और प्राकृतिक रूप से ठंडा रखने के लिए किया जाता रहा है। वहीं वास्तु शास्त्र में भी मटका रखने को लेकर कुछ खास नियम बताए गए हैं। मटका हमेशा साफ, साबुत और बिना किसी दरार के होना चाहिए। टूटा या चटका हुआ मटका अशुभ और दुर्भाग्य का संकेत माना जाता है। मटके का पानी रोजाना बदलना चाहिए और हमेशा ताजा जल ही उपयोग करना चाहिए। मटके के पानी को अधिक शुभ बनाने के लिए तुलसी के पत्ते, गुलाब की पंखुड़ियां या नींबू डालना लाभकारी माना जाता है। सही दिशा में रखा गया मटका न केवल जल को शुद्ध रखता है, बल्कि घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा, सुख-शांति और समृद्धि भी बढ़ाने में सहायक माना जाता है।

मटका रखने की सही दिशा

इस दिशा में मटका रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। ईशान कोण को देवताओं की दिशा भी माना जाता है, इसलिए यह अत्यंत पवित्र और शुभ होती है।

यहां रखा गया जल ऊर्जा के स्तर पर भी अधिक शुद्ध और लाभकारी माना जाता है।

यदि उत्तर-पूर्व दिशा उपलब्ध न हो, तो उत्तर दिशा भी उपयुक्त विकल्प है।

पूर्व दिशा में मटका रखने से भी सकारात्मकता और शांति का प्रभाव मिलता है।

इन दिशाओं में मटका रखने से घर का वातावरण शांत, संतुलित और सकारात्मक बना रहता है।

किन दिशा में न रखें मटका

दक्षिण दिशा या दक्षिण-पश्चिम दिशा में मटका रखना अशुभ माना जाता है।

इन दिशाओं में अग्नि और पृथ्वी तत्व प्रभावी होते हैं, जो जल तत्व के विपरीत हैं।

इससे वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बढ़ जाती है।

शौचालय या बाथरूम के पास मटका रखना वर्जित माना गया है।

सीढ़ियों के नीचे मटका रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है।

ऐसे स्थानों पर रखा जल शुद्धता खो देता है और ऊर्जा संतुलन बिगड़ता है। बेडरूम में मटका रखना भी शुभ नहीं माना जाता।

विशेषकर दक्षिण या पश्चिम दिशा वाले बेडरूम में मटका रखने से बचना चाहिए। इससे घर के वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

घर में ना लगाएं ये पेंटिंग्स

वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ पेंटिंग्स घर में नेगेटिविटी बढ़ाती हैं। जानें रोते हुए आदमी, युद्ध के सीन, डूबते जहाज समेत 5 ऐसी तस्वीरों के बारे में जिन्हें घर में लगाने से बचना चाहिए। घर के डेकॉर में पेंटिंग्स अहम भूमिका निभाते हैं। हालांकि वास्तु के अनुसार अगर पेंटिंग का चुनाव नहीं किया गया तो ये हमारी जिंदगी को उलझा सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ पेंटिंग घर में नेगेटिविटी का माहौल बनाते हैं जिससे मन परेशान होता है और काम में रुकावटें पैदा होती हैं।

घर के लिए शुभ होती हैं ऐसी पेंटिंग

वास्तु के अनुसार घर में उगते हुए सूरज, बहते झरने, फूलों, राधा-कृष्ण और दौड़ते हुए 7 घोड़ों की तस्वीर लगानी चाहिए। इन्हें वास्तु के नजरिए से घर के लिए शुभ माना जाता है। इन पेंटिंग्स से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

बंजर जमीन की तस्वीर

घर में कभी भी बंजर जमीन की पेंटिंग नहीं लगानी चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसी पेंटिंग जिंदगी में निराशा लाती हैं और सारे काम खराब होने लगते हैं। बंजर जमीन के अलावा सूखे हुए पेड़ या फिर कोई वीरानी हवेली या घर की पेंटिंग भी लगाने से बचना चाहिए।

युद्ध या फिर लड़ाई की पेंटिंग

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में युद्ध या फिर लड़ाई दिखाने वाली पेंटिंग तो भूलकर भी नहीं रखनी चाहिए। इससे घर में तनाव की स्थिति बनती है। साथ ही घरवालों के बीच हमेशा कहासुनी होती है। ऐसे में इस पेंटिंग को घर में ना ही लगाया जाए तो बेहतर है।

डूबते सूरज की पेंटिंग

वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर घर में डूबते हुए सूरज की तस्वीर लगाई जाए तो ये अशुभ फल दे सकता है। इससे घर के सभी सदस्य दिन भर आलस सा महसूस करेंगे। इसके अलावा हर एक काम में देरी होने लगेगी। काम अटकेंगे तो मन उदास रहेगा।

हरे और पीले रंग के नींबू में होता है फर्क

नींबू का इस्तेमाल हर घर में खूब किया जाता है। खासतौर से गर्मियों के दिनों में इसकी खपत बढ़ जाती है। नींबू में विटामिन सी की अच्छी मात्रा होती है, जो इम्यूनिटी को बढ़ाता है। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो शरीर की कोशिकाओं को नुकसान होने से बचाते हैं। इसके अलावा भी इसमें पोटैशियम, विटामिन बी6, और साइट्रिक एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसका इस्तेमाल सिर्फ रसोई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह सेहत, खूबसूरती और घरेलू साफ सफाई में भी बड़े काम आता है। नींबू अलग-अलग साइज से लेकर अलग रंगों में भी आता है। अलग रंगों में आने वाले नींबू में काफी फर्क होता है। ऐसे में फैट लॉस और पीसीओएस न्यूट्रीशिनिस्ट दिशा पंवार ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में हरे और पीले नींबू के फर्क के बारे में समझाया है।

क्या है हरे-पीले नींबू में फर्क

हरे और पीले नींबू में सबसे बड़ा फर्क रस का है। हरे नींबू में रस थोड़ा कम होता है जबकि पीला नींबू पूरी तरह से रसदार होता है। इन दोनों के स्वाद में भी फर्क है पीले नींबू का स्वाद थोड़ा मीठा होता है और हरा नींबू काफी टैंगी होता है। दोनों के हेल्थ बेनिफिट्स अलग-अलग होते हैं। पीला नींबू इम्यूनिटी बूस्ट करने का काम करता है, ये रिकन की चमक बढ़ाने के साथ पाचन क्रिया में सुधार करता है। इसी के साथ हरा नींबू नमी बढ़ाता है, रिप्रेशिंग होता है और पाचन में मददगार होता है। पीले नींबू के रस को को मॉर्निंग ड्रिंक या फिर सलाद में डालकर खा सकते है वहीं हरे नींबू को मॉकटेल्स या फिर मेथिसकन डिशेज में यूज कर सकते हैं। एक्सपर्ट कहती है कि दोनों नींबू एक ही जैसा पोषण देते हैं लेकिन ये पूरी तरह से आपके ऊपर निर्भर करता है कि आपको किसका स्वाद ज्यादा अच्छा लगता है।

रसोई में कहां इस्तेमाल हो सकता है नींबू

दाल, सब्जी, सलाद, पोहा या चाट का स्वाद बढ़ाने क लिए नींबू के रस का इस्तेमाल करें। ये हर डिश का स्वाद दोगुना कर देता है। इसके अलावा गर्मियों में नींबू पानी शरीर को तुरंत हाइड्रेट और तरोताजा करती है। इसमें मौजूद एसिडिक गुण के कारण इसका इस्तेमाल बर्तनों को चमकाने और जिद्दी दाग हटाने के लिए भी किया जाता है। नींबू का रस दांतों की सफाई के लिए अच्छा माना जाता है। हालांकि, इसे सीधे दांतों पर ज्यादा नहीं लगना चाहिए, क्योंकि इसका एसिड दांतों के इनेमल को कमजोर कर सकता है। इसलिए नींबू पानी पीने के बाद सादे पानी से कुल्ला करना अच्छा रहता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपकी राशि के अष्टम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। प्रथम भाव में स्वराशि के मंगल आपको ऊर्जा तो देंगे, लेकिन अष्टम चंद्रमा के कारण अचानक स्वास्थ्य या धन की हानि की संभावना बन सकती है। करियर में गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। बिजनेस में कोई बड़ा निवेश या जोखिम लेने से बचें। लव लाइफ में पार्टनर के साथ पारदर्शिता रखें, वरना ब्रेकअप जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

वृषभ राशि - बिजनेस में नई शुरुआत के लिए समय अत्यंत अनुकूल है, आर्थिक लाभ के प्रबल योग हैं। प्रेम प्रसंगों में आकर्षण बढ़ेगा और अविवाहितों के लिए विवाह के अवसर बन सकते हैं। रिश्तों में रोमांस और स्थिरता बनी रहेगी। कल आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आप ऊर्जावान महसूस करेंगे। आत्मविश्वास के साथ किए गए निर्णय भविष्य में बड़ी सफलता और प्रगति का आधार बनेंगे।

मिथुन राशि - आपके लिए शत्रुओं पर विजय और कार्यक्षेत्र में सफलता का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के छठे भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। आपकी राशि में बुध, गुरु और शुक्र की युति करियर में प्रमोशन और पदोन्नति के सुनहरे अवसर प्रदान करेगी। व्यापार में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद आपको आर्थिक लाभ होगा। नौकरी में आपके काम की सराहना होगी। लव लाइफ में मधुरता रहेगी, लेकिन पार्टनर के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क राशि - आपकी राशि के पंचम भाव में चंद्रमा विराजमान हैं। करियर में आपके नए विचार और योजनाएं सफलता दिलाएंगी। बिजनेस में निवेश से बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे और धन की आवक बढ़ेगी। लव लाइफ में रोमांस चरम पर रहेगा और पार्टनर के प्रति आपका आकर्षण बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा और प्रतियोगिता में प्रगति के योग हैं। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से आप ऊर्जावान महसूस करेंगे। परिवार और दोस्तों के साथ सुखद समय बीतेगा।

सिंह राशि - पारिवारिक शांति का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के चतुर्थ भाव में चंद्रमा संचरण कर रहे हैं। प्रथम भाव में केतु की उपस्थिति आपको थोड़ा अंतर्मुखी बना सकती है, लेकिन चतुर्थ चंद्रमा भूमि या वाहन सुख प्रदान करेंगे। करियर में स्थिरता आएगी और कार्यस्थल पर आपकी स्थिति मजबूत होगी। बिजनेस में आर्थिक लाभ की स्थिति बनी रहेगी। लव लाइफ में पार्टनर के साथ भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन माता के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

कन्या राशि - आपके लिए पराक्रम और साहस में वृद्धि का होगा, क्योंकि आपकी राशि के तृतीय भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर के क्षेत्र में आपकी मेहनत का फल तरक्की के रूप में मिलेगा। बिजनेस में छोटी दूरी की यात्राएं बड़े आर्थिक लाभ का कारण बन सकती हैं। आपके संवाद कौशल से नए अवसर प्राप्त होंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और पार्टनर के साथ आपसी समझ बढ़ेगी। आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा, जिससे कठिन निर्णय लेना आसान होगा।

तुला राशि-आर्थिक लाभ और वाणी के प्रभाव का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के द्वितीय भाव में चंद्रमा विराजमान हैं। करियर में आपकी तार्किक क्षमता और व्यवहार आपको सफलता दिलाएंगे। व्यापार में धन लाभ के प्रबल अवसर हैं और आय के नए स्रोत खुलेंगे। निवेश के लिए समय बहुत लाभकारी है। लव लाइफ में मधुर संवाद से रिश्ते मजबूत होंगे और आकर्षण बना रहेगा।

वृश्चिक राशि - नई ऊर्जा और व्यक्तित्व में निखार का होगा, क्योंकि आपकी राशि के प्रथम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में आपकी एकाग्रता और कड़ी मेहनत आपको बड़ी सफलता की ओर ले जाएगी। बिजनेस में विस्तार के नए अवसर मिलेंगे और आर्थिक लाभ संतोषजनक रहेगा। लव लाइफ में आकर्षण बढ़ेगा और पार्टनर के साथ प्रेम प्रसंगों में सफलता मिलेगी।

धनु राशि- सावधानी और खर्चों पर नियंत्रण रखने का है, क्योंकि आपकी राशि के द्वादश भाव में चंद्रमा संचरण कर रहे हैं। करियर के सिलसिले में विदेश यात्रा या लंबी दूरी की यात्रा के योग बन रहे हैं। बिजनेस में जोखिम भरे निवेश से बचें, अन्यथा आर्थिक हानि हो सकती है। कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे मानसिक तनाव उत्पन्न हो सकता है। लव लाइफ में पार्टनर के साथ गलतफहमी की स्थिति बन सकती है, इसलिए धैर्य से काम लें।

मकर राशि - लाभ और उपलब्धियों की सौगात लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के एकादश भाव में चंद्रमा विराजमान हैं। करियर में तरक्की के प्रबल संकेत हैं और आपकी मेहनत का फल प्रमोशन के रूप में मिल सकता है। बिजनेस में नए अनुबंध होंगे जो भविष्य में बड़े लाभ दिलाएंगे। पुराने निवेशों से आर्थिक लाभ होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। प्रेम संबंधों में गहराई आएगी और पार्टनर के साथ भविष्य की सुखद योजनाएं बनाएंगे।

कुंभ राशि- करियर की ऊंचाइयों और कार्यस्थल पर वर्चस्व का होगा, क्योंकि आपकी राशि के दशम भाव में चंद्रमा संचरण कर रहे हैं। प्रथम भाव में राहु की स्थिति आपको महत्वाकांक्षी बनाएगी। नौकरी में आपके काम की गुणवत्ता आपको पदोन्नति और सम्मान दिला सकती है। बिजनेस में स्थिरता आएगी और व्यापार विस्तार के नए अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय के नए मार्ग खुलेंगे।

मीन राशि- आध्यात्मिक उन्नति का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के नवम भाव में चंद्रमा और प्रथम भाव में शनि हैं। करियर में भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे नई शुरुआत और सफलता के अवसर मिलेंगे। बिजनेस में किया गया निवेश सफल रहेगा और आर्थिक लाभ सुनिश्चित होगा। प्रेम संबंधों में गहराई आएगी और पार्टनर के साथ किसी धार्मिक या लंबी यात्रा पर जा सकते हैं।

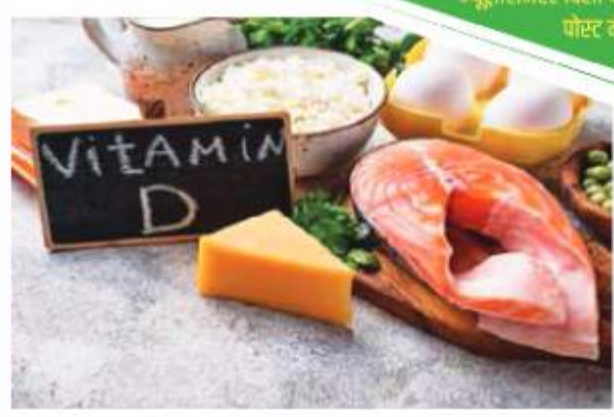

शरीर के लिए बेहद जरूरी विटामिन डी

विटामिन डी हमारे शरीर के लिए एक बेहद जरूरी पोषक तत्व है, जिसे सनशाइन विटामिन भी कहा जाता है। यह शरीर में एक हार्मोन की तरह काम करता है और हड्डियों को मजबूत रखने से लेकर इम्यूनिटी बढ़ाने तक कई जरूरी भूमिकाएं निभाता है। विटामिन डी शरीर को कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है और मजबूत हड्डियां, इम्यूनिटी और मूड को बूस्ट सपोर्ट करता है। विटामिन डी की कमी से आजकल ज्यादातर लोग जूझ रहे हैं और इसकी पूर्ति करने के लिए धूप काफी है। लेकिन धूप में जाने के लिए सही समय का ख्याल रखना जरूरी है। यहां जानिए धूप में जाने का सही समय और अलग-अलग स्किन टोन वालों को धूप में कितना समय बिताना चाहिए।

धूप सेकने के लिए बेस्ट समय

सुबह 10 बजे से दोपहर के 2 बजे तक का समय बेस्ट माना जाता है, क्योंकि इस समय पर सूरज की यूवीबी किरणे सबसे तेज होती है, जो विटामिन डी बूस्ट करने के लिए बेहतरीन हैं।

स्किन टोन के मुताबिक धूप में कितनी देर रहें

गोरी त्वचा- गोरी त्वचा धूप में जल्दी जल जाती है इसलिए सिर्फ 10 से 15 मिनट का समय बहुत है। कोशिश करें कि आप हफ्ते में 3 से 4 बार ही धूप में जाएं। इससे ज्यादा समय ना बिताएं और धूप में बैठने के बाद सनस्क्रीन लगाएं।

मीडियम स्किन टोन- ये त्वचा कभी-कभी जल जाती है। इसलिए सिर्फ 15 से 25 मिनट के लिए का समय ही धूप में बिताएं। इस तरह की स्किन टोन वाले भी 3 से 5 बार ही धूप में जाएं। बिना रिस्क के धूप में समय बिताने का ये अच्छा समय है।

डार्क स्किन टोन- इस तरह की स्किन

कभी-कभी ही बर्न हो जाती है। इस स्किन टोन वाले धूप में 25 से 40 मिनट बिता सकते हैं। हफ्ते में 3 से 5 बार का समय सबसे सही है। इस तरह की स्किन को ज्यादा समय की जरूरत होती है क्योंकि इस पर मेलानिन का उत्पादन ज्यादा होता है।

धूप में सुरक्षित रहने के लिए सुझाव

- शरीर के खुले हिस्से जैसे हाथ, पैर, चेहरा, हथेलियों को उजागर करें।
- हफ्ते में कुछ दिन धूप में जाएं।
- सनबर्न से बचने के लिए बेहतर है कि आप कम समय के लिए धूप में जाएं।
- धूप में जाने का समय खत्म होने के बाद एसपीएस 30+ की सनस्क्रीन लगाएं।
- आंखों पर चश्मा लगाएं और सिर पर एक टोपी पहनें।

जरूरी टिप्स

- शीशे से आने वाली धूप से विटामिन डी नहीं मिलता।
- धूप में जाने के अलावा खाने की उन चीजों को खाएं जिनमें विटामिन डी की मात्रा ज्यादा हो जैसे अंडे, मशरूम और फैटी फिश को डायट में शामिल करें।
- आप इक्वेटर यानी भूमध्य रेखा के जितने करीब होंगे, उतना ही कम समय लगेगा।
- सर्दियों के मौसम में ज्यादा समय लग सकता है।

चना दाल कोफ्ते का शानदार स्वाद

हर घर में कोफ्ते की सब्जी बड़े शौक से बनाई और खाई जाती है। ज्यादातर लोग लौकी, आलू या पनीर के कोफ्ते ही बनाते हैं, लेकिन अगर आप कुछ नया और अलग स्वाद ट्राई करना चाहते हैं तो चना दाल कोफ्ते आपके लिए शानदार ऑप्शन हो सकते हैं। बाहर से हल्के क्रिस्पी और अंदर से नरम ये कोफ्ते मसालेदार ग्रेवी के साथ ऐसा स्वाद देते हैं कि खाने वाला उंगलियां चाटता रह जाए। खास बात ये है कि ये रेसिपी ज्यादा मुश्किल भी नहीं है और घर की साधारण चीजों से आराम से बन जाती है।

इस डिश की सबसे बड़ी खासियत इसका अलग फ्लेवर है, क्योंकि इसमें सांभर मसाले और अनारदाने का ट्विस्ट दिया गया है, अगर आपके घर मेहमान आने वाले हैं या वीकेंड पर कुछ खास बनाने का मन है, तो ये चना दाल कोफ्ते आपकी टेबल की शान बढ़ा सकते है।

चना दाल कोफ्ते के लिए जरूरी सामग्री

1.5 कप पकी हुई चना दाल, 2 छोटे चम्मच बारीक कटा अदरक, 1 बारीक कटी हरी मिर्च, 2 बड़े चम्मच बारीक कटा हरा धनिया, 2 से 3 बड़े चम्मच बेसन, 1 छोटा चम्मच हल्का कुचला अनारदाना, 1 छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर, स्वाद के मुताबिक नमक

ऐसे तैयार करें कोफ्ते का मिश्रण

सबसे पहले एक बड़ा बाउल लें और उसमें पकी हुई चना दाल डाल दें। अब इसमें अदरक, हरी मिर्च, हरा धनिया, भुना जीरा पाउडर, अनारदाना और नमक मिलाएं। इसके बाद 2 से 3 चम्मच बेसन डालें। बेसन डालने से कोफ्ते अच्छे से बंधे रहते हैं और तलते समय टूटते नहीं है। अब सभी चीजों को हाथों से अच्छी तरह मिक्स करें। तैयार मिश्रण से छोटे-छोटे गोल कोफ्ते बना लें।

डीप फ्राई या एयर फ्राई, दोनों तरीके हैं आसान

अगर आप रेस्टोरेंट जैसा स्वाद चाहते हैं तो कड़ाही में तेल गर्म करके कोफ्तों को मीडियम आंच पर सुनहरा होने तक तल लें। ध्यान रखें कि आंच बहुत तेज न हो, वरना कोफ्ते बाहर से जल जाएंगे और अंदर से कच्चे रह सकते हैं। अगर आप हेल्दी ऑप्शन चाहते हैं तो एयर फ्रायर का इस्तेमाल करें। एयर फ्रायर को 200 डिग्री सेल्सियस पर सेट करें और करीब 15 मिनट तक कोफ्तों को एयर फ्राई करें। इससे कम तेल में भी बढ़िया स्वाद मिलेगा। अब ग्रेवी में बीच से कटे छोटे प्याज डालें और करीब 2 मिनट तक पकाएं। छोटे प्याज इस डिश को हल्की मिठास और शानदार टेक्सचर देते हैं। इसके बाद इसमें 2 कप गर्म पानी डालें और कड़ाही को ढक दें। करीब 3 से 4 मिनट तक ग्रेवी को पकने दें ताकि सारे मसाले अच्छी तरह मिल जाएं।

टमाटर खराब होने से पहले ऐसे करें स्टोर

टमाटर का इस्तेमाल लगभग हर घर में भरपूर मात्रा में किया जाता है। सब्जी, ग्रेवी, दाल और लगभग हर डिश में स्वाद बढ़ाने के लिए यह जरूरी होता है। लेकिन कई बार टमाटर जल्दी खराब होने लगते हैं या अचानक उनके दाम काफी बढ़ जाते हैं। ऐसे में लोग उन्हें लंबे समय तक स्टोर करने के आसान तरीके ढूंढते हैं। टमाटर पाउडर बनाकर रखना एक ऐसा ही आसान और कारगर तरीका है। इसकी मदद से टमाटर लंबे समय तक इस्तेमाल किए जा सकते हैं और बार-बार बाजार जाने की जरूरत भी नहीं पड़ती। खास बात यह है कि घर पर बिना ज्यादा मेहनत के टमाटर पाउडर बन जाएगा और इसे ग्रेवी, सूप और दूसरी कई चीजों में इस्तेमाल कर सकते हैं।

घर पर टमाटर पाउडर बनाने का आसान तरीका

टमाटर अच्छी तरह धो लें : सबसे पहले एक या दो किलो टमाटर लें और उन्हें साफ पानी से अच्छी तरह धो लें ताकि धूल और गंदगी निकल जाए।

टमाटर काटें और बीज अलग करें : अब टमाटर को बीच से काटें और उसका बीज वाला हिस्सा निकाल लें। इससे सुखाने में आसानी हो सकती है।

स्लाइस बनाकर धूप में सुखाएं : टमाटर के पतले स्लाइस बनाकर एक बड़ी प्लेट या ट्रे में फैला दें। अब इन्हें दो से तीन दिन तक तेज धूप में सुखाएं।

पूरी तरह सूखने दें : ध्यान रखें कि टमाटर पूरी तरह सूख जाएं। उनमें नमी बची रहने पर पाउडर जल्दी खराब हो सकता है।

मिक्सर में पीस लें : जब टमाटर अच्छी तरह सूख जाएं, तो उन्हें मिक्सर जार में डालकर बारीक पीस लें।

एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें : तैयार टमाटर पाउडर को सूखे और साफ एयरटाइट डिब्बे में भरकर रखें। इससे यह लंबे समय तक इस्तेमाल किया जा सकता है।

टमाटर पाउडर का इस्तेमाल कैसे करें?

ग्रेवी बनाने में- सब्जी और पनीर की ग्रेवी में इसका इस्तेमाल कर सकते है।

सूप में- टमाटर सूप बनाने के लिए भी यह यूज हो सकता है।

चटनी और मसाले में- कुछ लोग इसे मसालों और चटनी में भी इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

टमाटर पाउडर स्टोर करने के फायदे

लंबे समय तक इस्तेमाल : यह तरीका टमाटर को लंबे समय तक खराब होने से बचाने में मदद करता है।

समय की बचत : बार-बार टमाटर काटने और पीसने की जरूरत कम हो सकती है।

महंगाई के समय : जब बाजार में टमाटर महंगे हों, तब यह पाउडर काफी काम आ सकता है।

सीएम विष्णु देव साय ने दुर्ग जिले को दी करोड़ों की सौगात

सुशासन तिहार में 251 लोक-कल्याणकारी कार्यों का हुआ लोकार्पण एवं भूमिपूजन

शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और पारेषण अधोसंरचना को मिलेगी अभूतपूर्व नई दिशा

दुर्ग। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत दुर्ग जिले के झाड़ू राम देवांगन स्कूल प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय विशाल समाधान शिविर में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने दुर्ग जिले की जनता के लिए कुल 739 करोड़ 38 लाख रूपए की विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा जिले को सुदृढ़ बनाने के लिए कुल 362 करोड़ 46 लाख रूपए की लागत के 98 महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें आम जनता को समर्पित किया गया। इसके साथ ही, भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से कुल 376 करोड़ 92 लाख रूपए की अनुमानित लागत वाले 153 नए जनकल्याणकारी विकास कार्यों का पूरी विधि-विधान के साथ भूमिपूजन व शिलान्यास भी संपन्न हुआ।

लोकार्पण कार्यों में प्रमुख रूप से दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय जेल दुर्ग परिसर में 8.52 करोड़ रुपये की लागत से आवास निर्माण कार्य, 2.32 करोड़ रुपये की लागत से दुर्ग जेल में 50 बंदी क्षमता वाले 04 नाग बैरक का निर्माण, 4.03 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न वार्डों में पेवर ब्लॉक एवं डामरीकरण कार्य, 4.85 करोड़ रुपये की लागत से गंजपारा चौक से शिवनाथ नदी तक मार्ग उन्नयन कार्य तथा 1.49 करोड़ रुपये की लागत से इंडोर स्वीमिंग पूल निर्माण कार्य जनता को समर्पित किए गए। वहीं दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में शिवनाथ नदी पर अनेक उच्चस्तरीय पुलों एवं पहुंच मार्गों का निर्माण पूरा होने से क्षेत्रीय आवागमन को नई गति मिलेगी। इनमें कोटनी के समीप शिवनाथ नदी पर लगभग 19.03 करोड़ रुपये, अंजोरा-चंगोरी-भरदा मार्ग पर लगभग 18.72 करोड़ रुपये तथा रूद्रा-धीरी मार्ग पर लगभग 13.95 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पुल प्रमुख हैं। इसके अलावा अंडा में 25.23 करोड़ रुपये की लागत से 132 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्थापना से विद्युत अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी। रिसाली क्षेत्र में 2 करोड़ रुपये की लागत से प्रमुख मार्गों का विद्युतीकरण कार्य तथा विभिन्न नगरीय अधोसंरचना परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम भिलाई के अंतर्गत लगभग 9.77 करोड़ रुपये की लागत से चार नवीन ओवरहेड सर्विस रिजर्वायर निर्माण कार्य तथा 1.93 करोड़ रुपये की लागत से क्लियर वाटर राइजिंग मेन परियोजना का लोकार्पण हुआ, जिससे पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ आधार मिलेगा। अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में लगभग 66.70 करोड़ रुपये की लागत से रायपुर पुल (पीजीसीआईएल-धमधा) से केंदपुर तक 220 केवी विद्युत पारेषण लाइन परियोजना तथा 2.83 करोड़ रुपये की लागत से जल संसाधन विभाग की नहर लाइनिंग एवं जीर्णोद्धार परियोजना का लोकार्पण किया गया। वहीं पाटन विधानसभा क्षेत्र में शासकीय चंदूलाल चंद्राकर पीजी कॉलेज परिसर में लगभग 38.78 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, इंडोर स्टेडियम एवं स्टाफ क्वार्टर निर्माण कार्य का लोकार्पण हुआ। इसके अतिरिक्त ठाकुराइन टोला घाट में लगभग 19.40 करोड़ रुपये की लागत से लक्ष्मण झूला निर्माण तथा 9.25 करोड़ रुपये की लागत से विद्युत पारेषण लाइन संबंधी महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी जनता को समर्पित की गईं। साजा विधानसभा क्षेत्र में भी मुख्यमंत्री श्री साय ने लगभग 16.41 करोड़ रुपये तथा 15.82 करोड़ रुपये की लागत से शिवनाथ नदी पर निर्मित दो उच्चस्तरीय पुलों का लोकार्पण किया। साथ ही 30 करोड़ रुपये की लागत से सेमरिया (लिटिया) में अति उच्च दाब विद्युत उपकेंद्र तथा लगभग 4.96 करोड़ रुपये की विद्युत लाइन परियोजना का भी लोकार्पण किया गया, जिससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में 3.92 करोड़ की लागत से तांदुला परियोजना अंतर्गत आनन्दगांव माइनर के रिमांडलिंग एवं लाइनिंग कार्य तथा 4.24 करोड़ रुपए की लागत से हसदा नाला में उभरा स्टापडेम कम रपटा निर्माण कार्य के साथ साथ कई लोक कल्याणकारी कार्यों का लोकार्पण संपन्न हुआ।

इसी प्रकार भूमिपूजन किए गए प्रमुख कार्यों में दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के लिए 129.50 करोड़ रुपये की लागत से 77 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) निर्माण, 16.29 करोड़ रुपये की लागत से इंदिरा मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग, 13.64 करोड़ रुपये की लागत से गुंडरदेही रोड से हेमचंद यादव विश्वविद्यालय एवं पोटिया चौक तक सड़क चौड़ीकरण, 12.14 करोड़ रुपये की लागत से नालंदा परिसर निर्माण तथा 11.02 करोड़ रुपये की लागत से राजेंद्र पार्क चौक से अंडरब्रिज तक फेरलेन सड़क निर्माण जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शामिल हैं। 16.53 करोड़ रुपए की लागत से चंडी मंदिर से नया पारा मार्ग निर्माण, 10.50 करोड़ रुपये की लागत से 30 बिस्तर आयुर्वेद हॉस्पिटल निर्माणइसके अतिरिक्त 11.36 करोड़ रुपये की लागत से मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी एवं कम्पोस्ट प्लांट की स्थापना तथा शहर के विभिन्न वार्डों में लगभग 9.99 करोड़ रुपये की लागत से नाली, सड़क और अधोसंरचना विकास के साथ-साथ अनेक कार्यों का भूमिपूजन किया गया। दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र में भिलाई स्थित छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय परिसर में छात्र एवं छात्राओं के लिए 100-100 सीटर छात्रावासों के निर्माण, दुर्ग-जालबांधा मार्ग पर लगभग 7.31 करोड़ रुपये की लागत से उच्चस्तरीय पुल निर्माण तथा रिसाली नगर निगम क्षेत्र में लगभग 17.24 करोड़ रुपये की लागत से प्रमुख सड़कों के विकास एवं चौड़ीकरण कार्य का भूमिपूजन किया गया। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में जवाहर मार्केट के उन्नयन एवं विकास हेतु 6.38 करोड़ रुपये, 3.08 करोड़ रुपये की लागत से 2म5 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर स्थापना, तथा विभिन्न क्षेत्रों में सीवरेज, नाली कवरिंग और सौंदर्यीकरण से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। वहीं अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में दुर्ग-धमधा-बेमेतरा राज्य मार्ग पर लगभग 9.75 करोड़ रुपये तथा 6.56 करोड़ रुपये की लागत से दो मध्यम पुलों के निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई। साजा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 6.69 करोड़ रुपए की लागत से दुर्ग जालबांधा मार्ग में सेवती के पास उच्च स्तरीय पुल के निर्माण कार्य का तथा बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 4.23 करोड़ रुपए की लागत से बरगांव नाला व्यपवर्तन एवं नहर लाइनिंग और जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, नगरीय अधोसंरचना तथा विद्युत पारेषण से जुड़ी इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी तथा आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

निजी स्कूलों की मनमानी और फीस बढ़ोतरी की जांच के लिए जिला व ब्लॉक स्तरीय समितियों का गठन

हेल्प डेस्क नंबर पर पालक कर सकते है शिकायत

दुर्ग। जिले में संचालित अशासकीय (निजी) विद्यालयों द्वारा पालकों को पुस्तकें, गणवेश और अन्य सामग्रियां किसी एक ही निर्धारित फर्म से खरीदने के लिए बाध्य किए जाने तथा अप्रत्याशित दामों के कारण पालकों पर बढ़ रहे वित्तीय बोझ की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा पालकों को राहत देने के उद्देश्य से बड़ी प्रशासनिक पहल की गई है। जिसके तहत इन शिकायतों के त्वरित निवारण और निजी स्कूलों में फीस बढ़ोतरी से संबंधित मामलों की जांच के लिए जिला व विकासखण्ड स्तर पर विशेष जांच समितियों का गठन किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिला स्तरीय समिति में कलेक्टर अभिजित सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार मिश्रा और वाणिज्यिक कर विभाग की सहायक आयुक्त मती रिंकी अखिलेश सोनी को शामिल किया गया है। वहीं दुर्ग, धमधा और पाटन विकासखण्डों के लिए भी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम), विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) और जीएसटी इंस्पेक्टरों के तीन पृथक जांच दलों का गठन किया गया है। यह जांच समितियां अशासकीय विद्यालयों में फीस बढ़ोतरी से संबंधित शिकायतों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए 'छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन विधेयक 2020' के अनुरूप कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित करेंगी। इस विषय से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत दर्ज कराने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के मान्यता कक्ष प्रभारी विपिन गनवीर का हेल्प डेस्क सह व्हाट्सएप नंबर 9109277888 जारी किया गया है, जहां पालक अपनी शिकायत व दस्तावेज जमा कर पावती प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय सेन को दी श्रद्धांजली

दुर्ग, 31 मई/ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रविवार को दुर्ग प्रवास के दौरान लोकांगन परिसर पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री साय ने यहां पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के बड़े भाई स्व. दिनेश सेन के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजली दी। ज्ञात हो कि वैशाली नगर विधायक श्री रिकेश सेन के बड़े भाई स्वर्गीय दिनेश सेन जी का निधन 17मई 2026 को हो गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने विधायक रिकेश सेन और उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस अवसर पर अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, साजा विधायक ईश्वर साहू, एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण और नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अपनी मांगो को लेकर मजदूरो ने भरी हुंकार

गाजीपुर। मजदूरहित को लेकर होटल मधुर तरंग के सभागार रविवार को भारतीय मजदूर संघ तत्वाधान मे जिला अधिवेशन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि विशेश्वर राय प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय मजदूर संघ, राकेश पांडे विभाग प्रमुख काशी क्षेत्र की उपस्थिति रही । उक्त की उपस्थिति में सर्वसम्मति से जिला कार्यकारिणी का गठन हुआ जिसकी घोषणा राकेश पांडे के द्वारा की गई । नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष वाल्मीकि शर्मा, जिला मंत्री दीपक राय, संरक्षक यू पी राय, चंद्रमोहन उपाध्याय, कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र राय, कार्यवाहक अध्यक्ष मईम खान, उपाध्यक्ष दीपक मिश्रा, जयवीर, नंदलाल यादव, विजय कृष्ण, प्रमिला, संयुक्त मंत्री अजीत पाल, विपिन रावत, प्रचार मंत्री छाया राय आदि के नाम प्रमुख रूप से शामिल हैं । मुख्य अतिथियों ने कार्यक्रम में कर्मचारियों के विभिन्न समस्याओं पर विचार करते हुए भविष्य की

रणनीति पर भी विचार विमर्श किया गया एवं सभी कर्मचारियों से एकजुट रहते हुए प्रत्येक मौके पर उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया। अंत में अध्यक्ष वाल्मीकि शर्मा ने उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद करते हुए एवं नई जिला कार्यकारिणी को शुभकामना देने के साथ ही कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई। इस बैठक मे विद्युत, परिवहन, डाक विभाग, अफीम फैक्ट्री, ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक, सफाई कर्मी सहित दर्जनो संगठन के प्रतिनिधियो ने प्रतिभाग किया।

मछुआरों ने नई मत्स्योद्योग सहकारी संस्था पंजीयन की मांग की, नेशनल हाईवे निर्माण में नाली व्यवस्था बदलने की शिकायत

ग्रामीणों ने नहर पर बने पुल का पुनर्निर्माण कराने जनदर्शन में दिया आवेदन

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अपर कलेक्टर मती योगिता देवांगन भी उपस्थित थीं। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 96 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में प्राप्त विभिन्न आवेदनों पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से फोन पर जानकारी ली और उक्त आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी कड़ी में ग्राम मोरिदवासियों ने नहर पर बने पुल का पुर्ननिर्माण कराने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि ग्राम मोरिद वार्ड क्रमांक 39 के क्वार्टर पारा क्षेत्र में नहर पर बने पुल की ऊंचाई सड़क सीमेंटीकरण होने की वजह से पुल के बराबर रोड हो गया है। इससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और पानी निकासी बाधित होने से सड़क पर जलभराव की समस्या बनी रहती है। ग्रामीणों ने आवेदन सौंपकर पुल के पुनर्निर्माण की मांग की, ताकि दुर्घटनाओं और जनहानि से बचा जा सके। इस पर कलेक्टर ने सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम सांतरा के मछुआरों ने अलग से मत्स्योद्योग सहकारी संस्था पंजीयन की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र की पुरानी संस्था तालाब लीज लेने के बाद स्वयं मत्स्य पालन नहीं कर अन्य लोगों को सौंप देती है, जिससे स्थानीय मछुआरों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। मछुआरों ने बताया कि सांतरा, मंटग और मानिकचौरी क्षेत्र के डेम व तालाबों में वर्षों से वे मत्स्य पालन का कार्य करते आ रहे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से नई सहकारी संस्था का पंजीयन कर रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की है। इस पर कलेक्टर ने उप संचालक मत्स्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वार्ड 59 हेरिटेज कॉलेज क्षेत्र के रहवासियों ने नेशनल हाईवे निर्माण कार्य में नाली व्यवस्था बदलने की शिकायत की। कातुलबोर्ड से कादम्बरी नगर-धमधा रोड तक बन रही नई नाली का पानी कादम्बरी नगर नाले में जोड़ा जा रहा है, जहां पहले से कई वार्डों का पानी पहुंचता है। इससे बारिश में ज्वाहर नगर, शक्ति नगर, आशा नगर, कादम्बरी नगर और शांति नगर में बाढ़ जैसी स्थिति बनती है। रहवासियों ने मांग की है कि हेरिटेज कॉलेज के पास से चौहान टाउन की ओर जाने वाली पुरानी नाली को पुनः जोड़ा जाए, ताकि पानी का बहाव दो हिस्सों में बंट सके और जलभराव की समस्या कम हो। इस पर कलेक्टर ने एसडीओ दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

नशीले इंजेक्शन बुट्रम बेचने के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

50 नग नशीले इंजेक्शन के साथ खरसिया का सुनील श्रीवास पकड़ाया

रायगढ़। पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन आघात के तहत नशीले पदार्थों और इंजेक्शनों के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस ने नशीले बुट्रम इंजेक्शन की बिक्री से जुड़े एक और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। ज्ञात हो कि 26 मई को साइबर थाना एवं कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम को सूचना प्राप्त हुई थी कि रामलीला मैदान के पास कुछ युवक नाबालिग लड़कों एवं युवाओं को बुट्रम इंजेक्शन लगाकर नशा करा रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर कुछ युवक मौके से फरार हो गए, जबकि मोटरसाइकिल पर बैठे सूरज पंडित निवासी सोनियानगर रायगढ़ तथा विमल केरकेट्ट निवासी संजय नगर बैंक कॉलोनी रायगढ़ को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपी सूरज पंडित के कब्जे से 24 नग नशीली बुटरम इंजेक्शन, दो सिरिंज, नगदी रकम 7,370 तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने खरसिया निवासी सरोज यादव उर्फ बबलू यादव से नशीले इंजेक्शन खरीदकर युवकों एवं नाबालिग बच्चों को बेचने की बात स्वीकार की। आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर पुलिस ने सरोज यादव उर्फ बबलू यादव को घड़ी चौक रायगढ़ के पास से गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से बिक्री रकम में शेष 200 बरामद किए गए। की विवेचना के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि सरोज यादव उर्फ बबलू यादव को नशीले इंजेक्शन खरसिया निवासी सुनील श्रीवास उर्फ सुनील ठाकुर द्वारा उपलब्ध कराए गए थे। जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और पेट्रोलिंग टीम ने उसे रायगढ़ रेलवे स्टेशन के पास से हिरासत में लेकर थाना लाया। पूछताछ में आरोपी सुनील श्रीवास उर्फ सुनील ठाकुर पिता तेजलाल, उम्र 35 वर्ष, निवासी पुरानी बस्ती पनखतिया तालाब पार, चौकी खरसिया, थाना खरसिया, जिला रायगढ़ ने सरोज यादव उर्फ बबलू यादव को 50 नग बुट्रम नशीले इंजेक्शन बेचना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से अपराध में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त किया गया। प्रकरण में आरोपी सुनील श्रीवास उर्फ सुनील ठाकुर के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर आरोपी को थाना कोतवाली में धारा 123, 275, 286 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं धारा 77 जेजे एक्ट में रिमांड पर भेजा गया है ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com